राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बेंगलूरु

युगाब्द 5126, फाल्गुन कृ. सप्तमी - नवमी, 21-23 मार्च 2025

मा. सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले द्वारा प्रस्तुत

वार्षिक प्रतिवेदन 2024-2025

Rashtriya Swayamsevak Sangh

Akhil Bharatiya Pratinidhi Sabha, Bengaluru

Yugabda 5126, Falgun Krushna Saptami - Navami, 21-23 March 2025

Annual Report 2024-25

Presented by Mananiya Sarkaryavah
Shri Dattatreya Hosabale

लोक मंथन कार्यक्रम में आदरणीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी, पू. सरसंघचालक जी एवं अन्य महानुभव

हिंदू समाज के विविध विश्वविख्यात संगठनों के प्रमुखों की बैठक, मुंबई, जनवरी 2025 में पू. सरसंघचालक जी व अन्य प्रमुख

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बेंगलूरु
युगाब्द 5126, फाल्गुन कृ. सप्तमी – नवमी, 21–23 मार्च 2025

अनुक्रम

* कार्य स्थिति 2
* प्रस्तावना 3
* परम पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास 4
* माननीय सरकार्यवाह जी का प्रवास 6
* संगठन श्रेणी कार्य 8
* कार्य विस्तार 9
* कार्यकर्ता प्रशिक्षण, गुणवत्ता विकास 13
* जागरण श्रेणी कार्य 16
* प्रभावी होती गतिविधियाँ 20
* प्रान्तों के विशेष कार्यक्रम 28
* समाजाभिमुख कार्य 31
* अखिल भारतीय बैठकें 34
* वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य 35

Contents

* Introduction 37
* Tour of Param Pujaniya Sarsanghachalak Ji 38
* Tour of Mananiya Sarkaryavah ji 40
* Sangathan Shreni Karya 42
* Karya Vistar - Expansion 43
* Karyakarta Prashikshan and Quality Enhancement 47
* Jagaran Shreni Karya 50
* Impact Making Gatividhis 54
* Special Programs of Prants 63
* Socieity Oriented Activities 66
* Akhil Bharatiya Baithaks 69
* Present National Scene 70

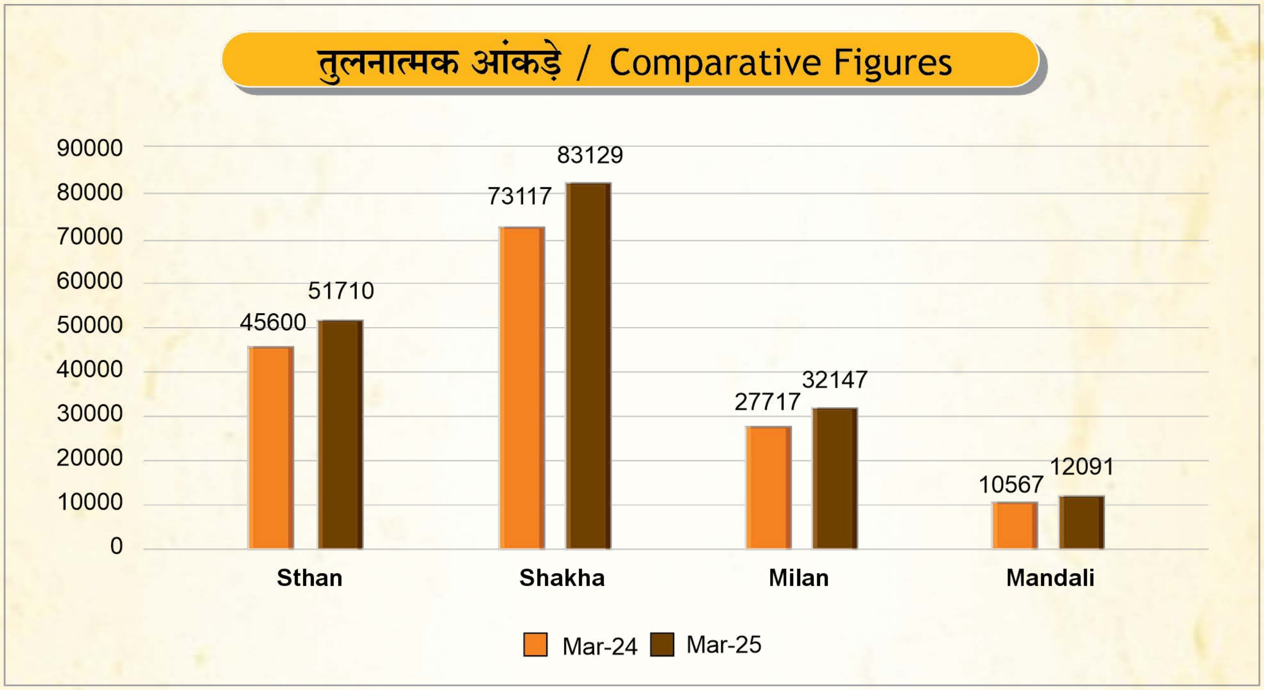

13 मार्च 2025 तक प्राप्त जानकारी के अनुसार / As on 13th Marth 2025

कोटि जनों की संघशक्ति हो सब हृदयों में राष्ट्रभक्ति हो
कोटि बढ़े पग एक दिशा में सब के मन में एक युक्ति हो

प्रस्तावना

परम पूजनीय सरसंघचालक जी, यहाँ उपस्थित सभी माननीय अखिल भारतीय पदाधिकारी वृंद, अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के माननीय सदस्य गण, क्षेत्र तथा प्रांतों के माननीय संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक एवं क्षेत्र और प्रांत कार्यकारी मंडल के सभी कार्यकर्ता बंधुओं, प्रतिनिधि सभा के समस्त प्रतिनिधि बन्धु तथा राष्ट्र जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय सभी निमंत्रित बंधु एवं भगिनी,

देश के एक प्रमुख नगर बंगलुरु के निकट चन्नेनहल्ली में स्थित इस जनसेवा विद्या केंद्र के परिसर में आयोजित युगाब्द 5126 (ई.वर्ष 2025) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में आप सभी का मैं हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ । चार वर्षों के अंतराल के पश्चात पुन: बंगलुरू में हम सभी एकत्रित हैं। यह मेरा विश्वास है कि आज से तीन दिन तक चलने वाली इस बैठक में आप सभी के सक्रिय सहयोग एवं सहभाग से अपने सभी कलाप सफलतापूर्वक संपन्न होंगे और इस बैठक से सभी के लिए ऊर्जा एवं दिशा मिलेगी ।

हम जानते हैं कि पिछले विजयादशमी के शुभ दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य ने अपने सौवें वर्ष में पदार्पण किया है । अत: कार्य के विविध पहलुओं के संदर्भ में इस वर्ष का विशेष महत्व है इसलिए इस प्रतिनिधि सभा में कार्य विस्तार और गुणात्मकता के हमारे प्रयत्नों की चर्चा होगी; सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में हमारे पहल की समीक्षा हमें करनी है । शताब्दी वर्ष के निमित्त संकल्पित प्रयासों की आगामी दिशा का विचार करना है । साथ ही संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में करणीय विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में भी हमें इस बैठक में निर्णय करना है ।

विगत वर्ष (2024-25)में देश भर में संपन्न संघ के विभिन्न कार्यकलापों का प्रतिवेदन आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है । इस वर्ष में कार्य विस्तार एवं गुणवत्ता वर्धन की दृष्टि से उल्लेखनीय प्रयत्न हुए हैं । जिसके अच्छे परिणाम मिले हैं। संगठनात्मक उपलब्धि के साथ कार्यकर्ताओं ने शाखा व विविध आयामों के द्वारा समाजाभिमुखी कार्य में अनेक उदाहरण योग्य उपक्रम किये हैं ।

देश व समाज की परिस्थितियों एवं विषयों को ध्यान में रखकर कई समसामयिक उपक्रम करने में भी स्वयंसेवकों ने अपनी क्षमता को दर्शाया है । समाज का जागरण एवं संगठन, समाज की सेवा, सुरक्षा, एकात्मता, समरसता और विकास ऐसे विविध आयामों में संघ से प्रेरित स्वयंसेवकों ने अनेक उपक्रम करते हुए अपने सामाजिक दायित्व को निभाने में अग्रसर हुए हैं । इन सभी का संपूर्ण निवेदन तो सीमित प्रतिवेदन में संभव नहीं हो सकता अत: उसका एक संक्षिप्त प्रतिवेदन आपके सम्मुख रख रहा हूँ ।

अपना कर्तव्य है कि अपने कलाप प्रारंभ होने से पहले गत एक वर्ष की कालावधि में समाज जीवन और अपने संगठन के अनेक बंधु एवं भगिनी जो इहलोक की यात्रा समाप्त कर हमसे बिछुड़ गये हैं, उनके प्रति हम श्रद्धांजली अर्पित करें । यह अत्यंत दु:खद है कि वार्धक्य, अनारोग्य या दुर्घटना के कारण संगठन के अपने वरिष्ठ सहयोगी, निष्ठावान कार्यकर्ता, समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्ति, कार्य में लगे सेवा सुरक्षा कर्मी और हादसे या प्राकृतिक आपदाओं में समाज बंधु भगिनियों का निधन हो गया । इन सब की स्मृति में हम अपनी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की सद्गति के लिए प्रार्थना करते हैं ।

परम पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास

- वर्ष 2024-25 के प्रवास में 23 प्रांतो के प्रवास हुए। विद्यार्थी शाखा एवं व्यवसायी शाखा और उसकी शाखा टोली बैठक, जिला-विभाग प्रचारक बैठक, प्रांत कार्यकरिणी बैठक एवं प्रांत टोली के प्रत्येक कार्यकर्ता से पृथक-पृथक एक घंटा व्यक्तिगत वार्ता ऐसा नियोजन था । कुल 34 प्रान्तों में किसी न किसी कार्यक्रम निमित्त जाना हुआ ।

- स्थानीय योजना से शाखा के मुख्य शिक्षक - कार्यवाह बैठक, खंड-नगर कार्यकारिणी एवम तदूर्ध्व कार्यकर्ता बैठक, जिज्ञासा समाधान, शारीरिक प्रधान प्रकट कार्यक्रम, गणवेश में स्वयंसेवक एकत्रीकरण, दायित्ववान कार्यकर्ताओं के परिवार से संवाद, अनुसूचित जाति, जनजाति के अग्रणी बंधुओ के साथ अनौपचारिक संवाद, प्रचारक संवाद, जाति बिरादरी के प्रमुखों से संवाद, जैसे कार्यक्रम संपन्न हुए ।

- विभिन्न स्थानों पर स्वामी महाश्रमण जी, स्वामी रत्नसुंदर जी महाराज, विंध्याचल में श्री हंस देवरहा बाबा जी महाराज, पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज, श्री प्रणव पंड्या जी, स्वामी गोविन्ददेव गिरी जी महाराज, हरिद्वार में स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, देवघर में श्री बबई दा, भाग्यनगर में रामचंद्रमिशन के श्री दाजी पटेल से मिलकर मार्गदर्शन लिया और आशीर्वाद प्राप्त किये । समय सागर जी महाराज जी के पदारोहण के कार्यक्रम में अतिशय क्षेत्र कुंडलपुर जाना हुआ ।

- कुछ मान्यवरों से भी मिलने की योजना रही । श्रीमती आशा भोसले जी, सुभाष चंद्रा जी, पूजनीय धीरेन्द्र शास्त्री जी, जयाकिशोरी जी आदि से विभिन्न सामाजिक विषयों पर संवाद हुआ ।

- अप्रैल 2024 में नर्मदा पथ यात्रा का सुअवसर मिला नर्मदा सेवक संवाद, प्रबुद्धजन गोष्ठी, संत संवाद के कार्यक्रम हुए ।

- जुलाई 2024 में शहीद अब्दुल हमीद जी के पैतृक गाँव जाकर उनके जीवन पर निर्मित पुस्तक का विमोचन किया।

- 27, 28 जुलाई 2024 को प्रचार विभाग के माध्यम से आयोजित अखिल भारतीय स्तंभ लेखक प्रशिक्षण में रहना हुआ । 10,11 अगस्त 2024 को जगन्नाथ पुरी में सेवा विभाग की अखिल भारतीय बैठक में रहना हुआ। विश्व विभाग संघ शिक्षा वर्ग एवं विश्व विभाग प्रचारक बैठक में रहना हुआ । सितंबर 2024 में कोलकाता में संपर्क विभाग द्वारा प्रबुद्धजन गोष्ठी, संघ परिचय वर्ग, जिज्ञासा समाधान के आयोजन में रहना हुआ । 7 सितंबर 2024 को कोलकाता में संपर्क विभाग के द्वारा दक्षिण बंग एवं मध्य बंग के चयनित महानुभवों के एक दिवसीय संघ परिचय वर्ग में रहना हुआ । 8 सितंबर 2024 को 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विषय पर बौद्धिक वर्ग संपन्न हुआ।

- नवंबर 2024 में भाग्यनगर में आयोजित 'लोकमंथन 2024 - प्रकृति, संस्कृति और संवाद का महाकुंभ में रहना हुआ। भारत की आदरणीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के साथ इस लोकमंथन का उद्घाटन किया। लोकावलोकन - लोकविचार, लोकव्यवहार और लोकव्यवस्था पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया गया ।

- जनवरी 2025 में इंदौर में अहिल्योत्सव समिति के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में रहना हुआ । इस वर्ष समिति ने राम मंदिर निर्माण में बलिदान तथा सहभागी हुए कारसेवकों तथा मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के श्री चंपतराय जी को पू. सरसंघचालक जी द्वारा सम्मानित किया ।

- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति रखने वाले हिंदू संगठनों के प्रधान और प्रमुख व्यक्तियों की 5वीं बैठक 21-

22 जनवरी 2025 को केशव सृष्टि, ठाणे, महाराष्ट्र में आयोजित हुई थी। रामकृष्ण मिशन, बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण संस्था, भारत सेवाश्रम संघ, चिन्मय मिशन, इस्कॉन, गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, माता अमृतानंदमयी मठ और अन्य भी कुछ संस्था प्रमुख उपस्थित थे। पू. सरसंघचालक जी ने इस बैठक को संबोधित किया।

- फरवरी 2025 में केरल पथनमट्ठिथा में हिन्दुमत परिषद द्वारा आयोजित हिंदू धर्म सम्मेलन में मुख्य अतिथि के नाते रहना हुआ ।
- फरवरी 2025 में दिल्ली में भारतीय वाणिज्य मंडल (Indian Chamber of Commerce) के शताब्दी वर्ष निमित्त दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में रहना हुआ ।
- 15 अगस्त 2024 को नागपुर संघ कार्यालय मे स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर एवं 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव विद्यालय व कनिष्ठ महाविद्यालय भिवंडी में तिरंगा झंडा फहराया ।
- शिव जन्मोत्सव कार्यक्रम, कार्यालय सेवक संवाद, कार्यालय लोकार्पण, पुस्तक विमोचन, सामूहिक विवाह समारोह आदि अनेक सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ ।

दोन्यी–पोलो मंदिर, नाहरलगुन, अरुणाचल प्रदेश में पू. सरसंघचालक जी

माननीय सरकार्यवाह जी का प्रवास

वर्ष 2024-25 में प्रांतश: प्रवास की योजना के अंतर्गत सभी क्षेत्रों के 23 प्रांतों में जाना हुआ । समय की उपलब्धता के अनुसार प्रांतों में कार्यकर्ता एवं शाखा केन्द्रित तीन दिन का प्रवास रहा । इस प्रवास में प्रांत टोली के कार्यकर्ताओं के साथ व्यक्तिगत वार्तालाप एवं प्रांत कार्यकारिणी मंडल के साथ दो सत्रों की बैठक तथा संघ कार्य में कार्यरत जिला प्रचारक तथा ऊपर के प्रचारकों के साथ दो सत्रों में बैठक हुई । योजनानुसार इस प्रवास में एक विद्यार्थी शाखा एवं एक व्यवसायी शाखा में जाना और उन शाखा की टोली के साथ बैठकें हुई । प्रांत कार्यकारी मंडल की बैठक में शताब्दी वर्ष को लेकर प्रत्येक कार्य विभाग के वर्ष भर के कार्य की योजना एवं कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं विशेष उपलब्धि की विस्तृत चर्चा हुई । साथ में श्रेणी कार्य और प्रत्येक कार्य विभाग में गुणात्मकता के लिए प्रयासों की भी चर्चा हुई । शताब्दी वर्ष में किये कार्य विस्तार की भी समीक्षा हुई । सामाजिक चुनौतियों के बारे में भी मंथन हुआ । जागरण श्रेणी की बैठक और व्यावसायिक शाखाओं में जागरण टोली और उनके द्वारा शाखा क्षेत्र के सामाजिक अध्ययन के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई । शाखा - नगर/खंड स्तर पर न्यूनतम दो महीने में एक बार परिवार संगम चलाने की योजना बनाने को कहा गया ।

सामान्यतया कार्यकारिणी बैठकों में 95% उपस्थिति रही। सर्वत्र कार्य विस्तार के प्रयास में उत्साह और उसका परिणाम दिखाई दे रहा है। कार्य पद्धति और विविध रचनाओं की स्पष्टता तथा संचालन में प्रगति हैं, किंतु इसमें अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है । कार्य के विविध पहलुओं में गुणात्मकता बढ़ाने के प्रयत्न अधिक होना अपेक्षित है । समाजाभिमुख कार्य में अच्छे प्रयोगों एवं अनुभवों के बारे में सुनने को मिला। शाखा कार्यक्रमों में तथा कार्यकर्ता के परिवारों में पंच परिवर्तन के व्यावहारिक क्रियान्वयन के प्रयत्न की अच्छी शुरुआत हुई है ।

कुछ उल्लेखनीय कार्यक्रम

- मालदा (उत्तर बंग) में रक्षाबंधन उत्सव, जामनगर (सौराष्ट्र) में विजयादशमी उत्सव एवं मंदसौर (मालवा प्रांत) में महाविद्यालय स्वयंसेवकों के मकर संक्रांति उत्सव में रहना हुआ ।
- दक्षिण असम प्रांत के सिलचर में परिवार मिलन कार्यक्रम, इम्फाल (मणिपुर प्रांत) में स्वयंसेवक परिवार हेतु बौद्धिक वर्ग एवं लातूर (देवगीरी प्रांत) में जिला कार्यकारिणी एवं तालुका टोली के परिवारों के साथ वार्तालाप के कार्यक्रम हुए ।
- जोधपुर प्रांत जैसलमेर में नगर एकत्रीकरण, भोपाल में शाखा टोली संगम तथा लातूर नगर में प्रत्येक बस्ती में शाखा के लिए बस्ती शाखा संगम का कार्यक्रम हुआ। दक्षिण तमिलनाडु त्रिची में मुख्य शिक्षक बैठक हुई । कर्नाटक (उत्तर) के कुमठा तथा यवतमाल (विदर्भ)में कार्यकर्ताओं के लिए प्रबोधन हुआ । रायगढ विभाग (छत्तीसगढ़) में शारीरिक प्रकटोत्सव एवं प्रबुद्ध जन गोष्ठी हुई ।
- मध्य भारत प्रांत के विदिशा विभाग में सामाजिक अध्ययन करने वाली शाखाओं की टोलियों की बैठक हुई ।
- ग्राम विकास गतिविधि की योजना से विदर्भ प्रांत के शिवनी गांव में दिन भर रहकर ग्राम विकास के कार्यों का दर्शन एवं कार्य में लगे कार्यकर्ताओं के साथ एवं ग्राम जनों के साथ संवाद हुआ ।
- प्रचार विभाग के अंतर्गत भोपाल, कोलकाता, बंगलुरु, चेन्नई, जयपुर में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संपादकों के साथ संवाद कार्यक्रमों का आयोजन हुआ ।

- संपर्क विभाग की योजना से भाग्यनगर में युवा उद्यमियों एवं दिल्ली में मातृशक्ति के साथ संवाद एवं दक्षिण तमिलनाडू प्रांत के त्रिची में प्रबुद्ध जनों के कार्यक्रम का आयोजन हुआ ।
- अ. भा. स्तर की संगठन श्रेणी बैठक (भाग्यनगर), व्यवस्था विभाग बैठक (जयपुर), संपर्क विभाग बैठक (इन्दौर) तथा पुणे में घोष प्रमुखों के वर्ग में उपस्थित रह कर कुछ सत्रों का संचालन किया ।
- विविध कार्यक्रमों मे सहभाग एवं उद्बोधन हुआ -
- राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नागपुर में तथा गणतंत्र दिवस पर इंफाल में ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न किए।
- उत्तर केरल में सेवा केन्द्र का लोकार्पण ।
- क्रीडा भारती द्वारा आयोजित जिजामाता पुरस्कार, भोपाल आंतरराष्ट्रीय सीमा दर्शन के लिए राजस्थान के जैसलमेर का दौरा हुआ । वहां के कार्यकर्ताओं के साथ सीमा क्षेत्र के विषयों की समीक्षा हुई ।
- प्रयागराज कुंभ में आस्था की डुबकी लगाई एवं सक्षम द्वारा आयोजित नेत्र कुंभ, वि.हिं. प. कार्यकर्ता बैठक एवं वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित जनजातीय संतों के कार्यक्रम में सहभाग ।

अमृतसर में हरमंदिर साहिब में माथा टेकने के बाद परिक्रमा किये

संगठन श्रेणी कार्य

शारीरिक विभाग

- शारीरिक विभाग की अखिल भारतीय बैठक दिनांक 27-28 जुलाई को भाग्यनगर में संपन्न हुई ।
- इस वर्ष शारीरिक विषयों के नैपुण्य वर्ग अ. भा. स्तर पर अयोजित किये गए ।
- गण समता - संख्या 79
- नियुद्ध - संख्या 96
- आसन एवं योग वर्ग - संख्या 68
- सामूहिक समता - संख्या 76
- प्रांत घोष प्रमुख वर्ग - संख्या 58

बौद्धिक विभाग

बौद्धिक कार्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयास सभी प्रांतों में हुए । प्रशिक्षण देने का आग्रह था । प्रांत, विभाग, जिला खंड, नगर आदि स्थान पर कार्यशालाएं आयोजित की गई थी । गीत, प्रार्थना, बड़ी कहानी, समाचार समीक्षा, मानचित्र परिचय, विडियो क्लिपिंग, वक्ता प्रशिक्षण आदि विषय पर अलग अलग कार्यशालाएं आयोजित की गई थी । 5573 विविध कार्यशालाओं में 61,042 कार्यकर्ता सहभागी थे ।

- बौद्धिक विभाग की अखिल भारतीय बैठक दि. 27-28 जुलाई 2024 को भाग्यनगर में संपन्न हुई । 110 कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

दक्षिण क्षेत्र : केरल दक्षिण प्रांत ने डॉक्टर हेडगेवार जी की प्रेरक जीवनी का अध्ययन करना तथा शाखा पर चर्चा के माध्यम से हर स्वयंसेवक को समझाने की एक सप्ताह की योजना बनाई । केशव संघ निर्माता पुस्तक की प्रति सब शाखा तक पहुंचाई । 1107 शाखा में 7 दिन यह विषय लिया गया 1430 कार्यकर्ताओं ने अध्ययन किया और प्रेरक प्रसंग सहित जीवनी बताई ।

दक्षिण मध्य : कर्नाटक दक्षिण प्रांत में वीडियो क्लिपिंग का शाखा में उपयोग बढ़ाने हेतु एक प्रयोग किया गया । 48 प्रशिक्षण वर्गों में 682 शिक्षार्थियों ने भाग लिया । 719 शाखा में इसका उपयोग हुआ । बेंगलुरु में बहुमंजिला इमारतों में काम करने वाले कार्यकर्ताओं को चिह्नित करके भारत मानचित्र परिचय का प्रशिक्षण दिया गया । 4 वर्गों में 75 कार्यकर्ता प्रशिक्षित हुए । 52 बहु मंजिला इमारतों में कार्यक्रम बहुत प्रभावी रहा ।

पश्चिम क्षेत्र : कोकण प्रांत मे मण्डल सांघिक के निमित्त से 'शताब्दी कार्य की तैयारी' इस विषय पर बौद्धिक कार्यक्रम करने का सोचा गया । उसके लिए विविध स्तर पर वक्ता प्रशिक्षण हुए । 25 जिला के 170 खंड और 22 नगर में 225 स्थान पर एकत्रीकरण हुए । कुल 8,506 संख्या उपस्थित रही ।

मध्य क्षेत्र : मध्य भारत प्रांत मे प्रोजेक्ट रिपोर्ट में रुचि बढ़ाने का प्रयास किया गया । प्रांत, विभाग और जिला में क्रियान्वयन टोली चिन्हित की गई । 6 प्रशिक्षण वर्गों में 68 कार्यकर्ता ने प्रशिक्षण लिया । 120 प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार हुए। मालवा के 93 गीत कार्यशालाओं में 1674 और छत्तीसगढ़ के 150 गीत कार्यशालाओं में 570 कार्यकर्ता प्रशिक्षित हुए। सामूहिक गायन की प्रतियोगिता हुई । संस्कृत, हिन्दी, छत्तीसगड़ी, गुजराती, निमड़ी, पंजाबी, असमिया, मराठी आदि भाषाओं के गीत थे । 1,016 स्थान में सम्पन्न हुई इस प्रतियोगिता में 8,908 स्वयंसेवकों ने भाग लिया ।

पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र : मेरठ प्रांत मे कार्यकर्ता ने अपनी मातृशाखा पर अष्टबिन्दु के क्रियान्वयन के बारे में आग्रह करने का प्रयास किया । गीत, अमृतवचन, सुभाषित आदि विषय पर प्रतियोगिता चलाई गई । इसके आधार पर शाखाओं का मूल्यांकन भी हुआ ।

उत्तर पूर्व क्षेत्र : उत्तर बिहार प्रांत में अहिल्यादेवी होलकर जी की कहानी को व्यापक रूप से बताने की योजना बनी। 120 कार्यशालाएं आयोजित की गई । 1045 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण लिया ।

कार्य विस्तार

कर्नाटक उत्तर – बीदर जिला के कार्यकर्ताओं द्वारा कार्य विस्तार के प्रयास किए गए । नवंबर 2024 माह में 129 स्थानों पर 155 शाखायें थी । प्रांत, विभाग जिला स्तरीय कार्यकर्ताओं ने मिलकर जिले के सभी मंडल तक प्रवास किया । इस कार्य हेतु दैनिक ऑनलाइन बैठकें होती थी । 210 प्रवासी कार्यकर्ताओं ने प्रवास किया । 326 स्थानों में 444 शाखा तक पहुंचे । सभी 104 मंडल शाखायुक्त हुए बसवकल्याण ग्रामीण तालुका के कार्यकर्ताओं ने 'संघ 100' संकल्प के साथ 1 दिसंबर से 15 दिसंबर 2024 तक 103 स्थानों पर शाखाएं लगाई । इसके बाद आठ तालुका में 'खेल उत्सव आयोजित किये गये । 490 तरूण एवं 341 बाल स्वयंसेवकों ने भाग लिया । अभी जिले की 154 स्थान पर 180 शाखाएं हैं ।

तेलंगाना – संगारेड्डी जिला ने शताब्दी के अवसर पर जिले को पूर्ण जिला बनाने के संकल्प को पूर्ण किया । हर बस्ती और मंडल को शाखा युक्त बनाने के लिए विशेष प्रयास किया गया । जिले में सभी 73 मंडल और 49 बस्तियाँ शाखा युक्त है । खंड/नगर/जिला स्तर के कार्यकर्ता द्वारा एक एक बस्ती/मंडल को गोद लिया गया । प्रत्येक मंडल और बस्ती में एक टोली का निर्माण किया गया । मंडल सांघिक और वर्ग की योजना बनी ।

देवगिरी – मा. सरकार्यवाह प्रवास निमित्त लातूर शहर के 61 बस्तियों में शाखा या मिलन लगाने का उपक्रम संपन्न हुआ । 28 बस्तियों में शाखा, मिलन थे । 3 मास शाखा, मिलन लगाने से 2 फरवरी 2025 को एक ही मैदान पर 63 शाखा लगाने का यशस्वी प्रयास हुआ और सभी स्वयंसेवक, नागरिकों को विराट शाखा दर्शन की अनुभूति हुई ।

सौराष्ट्र – जूनागढ़ विभाग के गीर सोमनाथ जिला ने शताब्दी के निमित्त कार्य विस्तार करके जिले में 100 शाखा का लक्ष्य रखा । सभी जिला स्तर के और खंड के कार्यवाह – सह कार्यवाह प्रति माह न्यूनतम 15 प्रवास और बाकी खंड के प्रवासी कार्यकर्ता 8 प्रवास प्रति माह करें ऐसा आह्वान किया गया । 10 प्रवास करने वाले 23 कार्यकर्ता, 15 प्रवास करने वाले 18 कार्यकर्ता एवं 20 प्रवास करने वाले 7 कार्यकर्ता निकले । सभी मंडल/बस्ती के संयोजक-सह संयोजकों का अभ्यासवर्ग किया गया । मंडल कार्यकारिणी तय की गयी। एक सप्ताह विस्तारक योजना का प्रयास हुआ । 176 कार्यकर्ता निकले जो 152 गांव/बस्ती में गए । प्रारंभिक वर्ग नए स्थान पर हुए, जिसमें 162 संख्या रही साल के अंत मे 36 शाखा से बढ़कर 54 शाखाएं और 45 साप्ताहिक मिलन से बढ़कर 70 साप्ताहिक मिलन हुए ।

मालवा – अल्पकालीन विस्तारक योजना – प्रत्येक ग्राम में विस्तारक भेजने का संकल्प लिया गया । विस्तारक ने सात दिन में ग्राम में शाखा, मिलन या मण्डली आरंभ करना व स्थाई रूप से चला सकें ऐसी टोली खड़ी करना अपेक्षित था। साथ ही ग्राम में पंच परिवर्तन के विषय पर दीवार लेखन, ग्राम बैठक, ग्राम की सज्जन शक्ति से मिल कर ग्राम विकास व समाज परिवर्तन की चर्चा आदि 16 कार्य दिये गये थे । विस्तारक भेजने से पूर्व 1044 मण्डलों में मण्डल सशक्तिकरण वर्ग आयोजित हुए । 5,324 ग्रामों से 17,250 स्वयंसेवक उपस्थित थे । इसमें ग्राम विस्तारक की आवास, भोजन आदि व्यवस्था, पालक कार्यकर्ता का नाम आदि सुनिश्चित किये गए । समस्त नगरीय व्यवसायी शाखाओं की बृहद बैठकें 'एक शाखा – दस विस्तारक' के आव्हान के साथ सम्पन्न हुई। 12,170 ग्रामों में से 9,859 ग्रामों तक कुल 9,059 विस्तारक पहुंचे । 4,806 विस्तारक पूरे सात दिन रहे व 5,053 4 से अधिक दिन रहे। 1,116 शाखा, 1,049 मिलन एवं 1,201 मण्डली 3,366 ग्रामों में आरंभ हुई ।

छत्तीसगढ़ – संघ शताब्दी वर्ष निमित्त रायगढ़ विभाग ने पूर्ण विभाग करने का लक्ष्य रखकर कार्य योजना बनाई, जिसका आग्रह पूर्वक क्रियान्वयन किया गया । माननीय सरकार्यवाह जी का प्रवास 13 फरवरी 2025 को मिला । नवंबर माह में शारीरिक प्रधान कार्यक्रम तय किये गये। प्रत्येक मण्डल व प्रत्येक बस्ती को शाखायुक्त करना एवं शाखा टोली के लिये

सामूहिक कार्यक्रम तय किये गए । खण्डों ने एकल कार्यक्रम स्वत: तय किये । दिसंबर माह में मण्डल/बस्ती विस्तारक योजना का आग्रह हुआ । 7-10 दिन मण्डल/बस्ती में विस्तारक जाना तय हुआ । 154 मण्डल में से 116 मण्डल एवं सभी 32 बस्ती में विस्तारक गये । जनवरी 2025 में पूर्ण विभाग का लक्ष्य पूर्ण हुआ । मा. सरकार्यवाह जी के प्रवास में शारीरिक प्रकटोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । विभाग के सभी 154 मंडल एवं 32 बस्ती के 186 शाखा के 862 स्वयंसेवक उपस्थित रहे । 500 से अधिक नागरिक के रूप में उपस्थित थे ।

चित्तौड़ – तीन वर्ष पूर्व बारां जिला के कार्यकर्ताओं ने कार्य विस्तार की योजना तैयार की । शताब्दी वर्ष तक के लक्ष्य निर्धारित किए गए । कार्य विस्तार के लिए अनेक प्रयोग किये गए । ✲ उपबस्ती कार्य :- जिले की सभी 33 बस्तियां शाखा युक्त हो गई । निरन्तर प्रयत्नों से वर्तमान में 36 उपबस्तियों में से 33 उपबस्तियों में शाखा एवं मिलन हो चुके हैं । ✲ ध्वज प्रदान कार्यक्रम :- पिछले तीन वर्षों में 189 मिलन में ध्वज प्रदान कार्यक्रम हुए है । ✲ एक शाखा से अनेक शाखा :- जिले में ऐसी 50 शाखाओं के माध्यम से नया कार्य प्रारंभ हुआ । ✲ गुरु पूजन :- जिले में जितने भी ग्रामों में स्वयंसेवक हैं, उन सभी ग्रामों तक उत्सव मनाया। प्रत्येक ग्राम में जागरण पत्रिका 'पाथेय कण' के वितरण की योजना बनी ।

जयपुर – रतनगढ़ जिलें में सत्र के प्रारंभ में जुलाई माह में 33 शाखाए लग रही थी । 6 नवंबर को जिला स्तर पर 13 शारीरिक विषयों का प्रदर्शन जिले के वर्तमान व पूर्व में रही शाखा स्थान पर प्रयास करने के लिए प्रवासी कार्यकर्ता तय किये गए । प्रत्येक खंड व नगर को तैयारी के लिए अलग-अलग शारीरिक विषय दिए गए । गुणवत्ता के कुछ मापदंड तय किये गए । जिला व खंड के कार्यकर्ताओं के प्रवास में काफी वृद्धि हुई । शाखाओं पर 350 स्वयंसेवकों ने शारीरिक प्रदर्शन के लिए अभ्यास किया एवं 6 नवंबर को जिला केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में निर्धारित मापदंड पूर्ण करने वाले 200 स्वयंसेवकों ने शारीरिक प्रदर्शन में भाग लिया । 800 से अधिक प्रबुद्ध नागरिक व मातृशक्ति नगर व अन्य खंड केंद्रो से पधारे थे । अब जिले में 68 शाखाएँ है ।

हरियाणा – कार्य विस्तार के निमित्त 5 से 20 नवंबर 2024 तक ''एक स्थान - एक कार्यकर्ता'' निश्चित करते हुए 1502 ग्रामों और 965 बस्तियों में 2939 कार्यकर्ता प्रतिदिन गए । पखवाड़े के बाद स्थायित्व के लिए कार्यकर्ताओं का इन स्थानों पर साप्ताहिक जाने का क्रम बना है। विस्तार को स्थाई बनाने के लिए और कार्य के दृढीकरण की दृष्टि से 1338 ग्राम-स्थानों पर 22 से 26 जनवरी 2025 तक चार-रात्रि के निवासी अभ्यास वर्गों का आयोजन किया गया । इन वर्गों में पुराने शाखा स्थानों से शाखा टोली के कार्यकर्ता, मिलन स्थानों व नए स्थानों से भविष्य की शाखा टोली के 11,135 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही । अंतिम दिन 26 जनवरी को नए चिंतन बिंदुओं के अनुरूप भारत माता पूजन कार्यक्रम के साथ ये वर्ग संपन्न हुए । इसी प्रकार नगरीय इकाइयों में 26 फ़रवरी से 2 मार्च तक सभी 119 नगरीय इकाइयों में चार-रात्री के निवासी अभ्यास वर्ग हुए । 280 वर्गों में 8,000 शाखा कार्यकर्ता इन रात्री वर्गों में रहे । कुल मिलाकर ग्राम और नगर-बस्ती स्तर पर लगने वाले इन रात्री निवासी अभ्यास वर्गों में 19,000 स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण हुआ । इन रात्रि वर्गों के सफल संचालन के लिए । 5,890 कार्यकर्ताओं की जिला अनुसार कार्यशालाएं लगाई गई । महेंद्रगढ़ जिला और गुरुग्राम नगर में भी विशेष प्रयास के फलस्वरूप अच्छी उपलब्धि मिली ।

जम्मू कश्मीर – प्रांत में शाखा कार्य के विस्तार के लिए एक योजना बनीं । इस योजना को ''एक कार्यकर्ता-एक स्थान/शाखा शीर्षक दिया गया। प्रांत की सभी 557 शाखाओं में से 400 शाखाओं की बैठक 17 नवंबर 2024 को संपन्न हुई। 5450 स्वयंसेवक सहभागी हुए । सूचीबद्ध कार्यकर्ताओं के लिए स्थान/शाखा तय की गई। 1 दिसंबर 2024 से 2 मार्च 2025 तक का अपने अपने स्थान पर नियमित जाकर शाखा लगाना एवं इस नयी शाखा का संभाल विजयदशमी तक करना इसकी योजना बनी । प्रथम विस्तार सप्ताह के पश्चात वृत्त संकलन करने पर पता चला कि प्रांत में 58 अल्पकालिक विस्तारक व 705 विस्तार सहायक कार्यकर्ताओं ने 444 स्थानों पर शाखा विस्तार का प्रयास किया। द्वितीय विस्तार सप्ताह के पश्चात प्रांत मे 72 अल्पकालिक विस्तारक व 779 विस्तार सहायक कार्यकर्ताओं ने 668 स्थानों पर कार्य विस्तार का प्रयास किया । 16 फ़रवरी 2025 को 404 शाखाओं की बैठक हुई जिसमें 4443 स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

उत्तराखंड – हल्द्वानी जिले में कुल 12 मंडल और 58 बस्ती है । बस्तियों में 58 पालक कार्यकर्ता तय किये, जिन्होंने नियमित बस्तियों में प्रवास किया और बस्ती श: बैठक, स्वयंसेवकों की सूची, पुराने कार्यकर्ताओं की योजना बनाना एवं नए कार्यकर्ता जोड़ना इस दिशा में प्रयास किये। 3852 स्वयंसेवकों की सूची बनी और उपनगर और नगर स्तर पर एकत्रीकरण हुए । प्रत्येक बस्ती से 2 व्यवसायी स्वयंसेवक और 2 विद्यार्थी स्वयंसेवकों ऐसे 235 स्वयंसेवकों ने प्रारंभिक वर्ग का प्रशिक्षण पूर्ण किया । नगर श: स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण भी हुए । 21 नई शाखाएं और 12 नए मिलन प्रारंभ हुए । बस्ती स्तर पर जागरण टोली का निर्माण किया गया, और शाखा व बस्ती स्तर में 78 नए कार्यकर्ता जुड़े। 12 मंडलों में 12 जिला स्तर के कार्यकर्ताओं द्वारा सतत प्रवास किया गया । 12 कार्यकर्ता पूरा समय रहे और प्रत्येक मंडल से 4 स्वयंसेवक चिन्हित कर प्रशिक्षण कराने की योजना बनी । 46 स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण हुआ । 9 कार्यकर्ता मंडल पर्यंत दायित्व में जुड़े । 12 गाँव में किसानों, मजदूरों, पशुपालकों और स्वरोजगार कर रहे युवाओं के साथ में बैठेकें हुई । 4 नई शाखा, 4 नए मिलन और 12 मंडली शुरू हुई ।

काशी – जौनपुर जिला के सभी मण्डल एवं बस्ती में शाखा/मिलन प्रारम्भ करने की दृष्टि से प्रवास एवं नियमित बैठके प्रारम्भ हुई । 12 जनवरी 2025 को प्रत्येक खण्ड एवं नगर में शाखा संगम का कार्यक्रम किया गया । 12 खण्ड, 2 नगर, 119 मण्डल एवं 40 बस्ती का प्रतिनिधित्व हुआ । 198 शाखायें लगी । प्रतिभागी स्वयंसेवक की संख्या 276 रही । बंद शाखा प्रारम्भ होने के कारण जिला पूर्ण हो गया ।

गोरक्ष – 8 फरवरी से 15 फरवरी 2025 तक प्रांत में अल्पकालिक विस्तारक मंडल प्रवास योजना का कार्यान्वयन हुआ । जिला अनुसार सूची बनी । खंड, नगर के अनुसार दक्षता वर्ग दो चरणों में लगाए गए । शाखा, मिलन, शाखा टोली निर्माण व उनके कार्य, पंच परिवर्तन के लिए जागरण टोली तथा विद्यार्थी, सज्जन शक्ति एवं कृषक बैठकों में किन विषयों पर चर्चा करना है इसका प्रशिक्षण हुआ । विस्तारक को पुन: प्रशिक्षण के लिए बुलाया गया एवं शाखा दिग्दर्शिका और अन्य उपयोगी साहित्य दिया गया । आते समय 10 व्यक्तियों के नाम, मोबाइल नंबर, पिन कोड लाने के लिए बताया गया। जागरण पत्रक भेजने के लिए 60,000 पते एकत्रित हुए है । 160 बंद शाखाएं पुन: शुरू हुई तथा 234 नई शाखा एवं 198 नए मिलन प्रारंभ हुए है । 1054 कार्यकर्ता 1054 मंडलों के अंतर्गत 6286 गाँवो में रुककर प्रवास किए तथा 331 कार्यकर्ता 6 घंटे तक नगरों के 1095 मुहल्लों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संपर्क हुआ । 2327 विद्यार्थी बैठकें, 1967 कृषक बंधुओं की बैठकें, 3701 सज्जन शक्ति की बैठकें, कुल 7995 बैठकें हुई । 1,99,875 समाज के बंधुओं ने सहभाग किया । प्रांत में 1864 शाखा से बढाकर 2258 शाखा, एवं 276 मिलन से बढाकर 496 मिलन हुए है।

ओडिशा पश्चिम – कार्य विस्तार के लिए सभी 5 विभागों में विशेष प्रयत्न हुए है । जनजाती बहुल कोरापुट विभाग में 3 जिले है । यहाँ विस्तार के लिए 5 शाखा मिलाकर एक शक्ति केंद्र बनाया गया । ऐसे 242 शक्ति केंद्र बने । 5 शक्ति केन्द्र मिला कर एक शक्ति पुंज ऐसी रचना की गयी । 48 शक्ति पुंज बने । विस्तार के लिए 65 स्वल्पकालीन विस्तारक निकले

एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की संख्या 394 रही। मण्डल/खण्ड/नगर/बस्ती तक 330 बैठकों का आयोजन किया गया। शाखा स्थान 572 से बढ़कर 983 हुए एवं 605 शाखा से बढ़कर अभी 1031 शाखा है। साप्ताहिक मिलन 13 से बढ़कर 68 हो गए। विभाग के 161 मंडलों में से 153 शाखा युक्त है। 7 मिलन युक्त है।

मध्य बंग – नदिया विभाग के दो जिलों में कार्य विस्तार के तहत मंडल की तालिका, गांव की सूची और बस्ती तालिका बनायी गयी। खंड बैठक में मंडल के प्रमुख एवं गांव का निर्धारण करके स्थान अनुसार व्यक्ति चयन किया गया। मंडल में बैठकों का आयोजन किया गया। दोनों जिला मिलकर 100 शाखा, 50 मिलन और 50 मंडली की वृद्धि हुई है। 180 कार्यकर्ताओं ने मिलकर 500 दिन का प्रवास किया। पू. सरसंघचालक जी के कार्यक्रम में उत्तर नदिया जिला से 724 एवं दक्षिण नदीया जिला से 823 कार्यकर्ता पूर्ण गणवेश में उपस्थित थे।

उत्तर असम – असम प्रांत के ज्यादा मण्डल और बस्ती तक पहुंचने के लिये जिलाश: शीतकालीन शिविर सम्पन्न हुए। प्रांत के नागाभूमि और मेघालय राज्य छोड कर शेष असम के 30 जिलों में दिसंबर 2024 में तीन दिवसीय शीतकालिन शिविर सम्पन्न हुए। शिविर में सभी मण्डलों से स्वयंसेवक आए इसके लिए तीन महीने से योजना बनाई गयी। शाखा विहिन मण्डलों में सम्पर्क करना, नये मिलन, नई शाखा शुरु करना, कार्यकर्ताओं का प्रवास इत्यादि जिला स्तर पर योजना हुई। 7684 स्वयंसेवक शिविर में सहभागी हुए। शाखा स्थान -745, मिलन - 214, मण्डली - 46 और अन्य स्थान - 182 का प्रतिनिधित्व रहा। 1077 मण्डल, 358 बस्ती का प्रतिनिधित्व हुआ। शिविर में खेल, बौद्धिक प्रतियोगिता, पथसंचलन, शारीरिक प्रदर्शन के साथ ही पंच परिवर्तन और गतिविधि के प्रदर्शन को रखा गया। कुछ जिलों में खण्ड श: एकत्रीकरण हुए जहाँ 60 -100 तक कार्यकर्ता उपस्थित थे। कोकराझार जिले में 104 मण्डलों मे से 84 मण्डलों से स्वयंसेवक उपस्थित थे।

दक्षिण असम – मंडल सम्मेलन - कार्य विस्तार वार्षिक योजना अंतर्गत मंडल सम्मेलन संपन्न हुए। प्रत्येक मंडल मे एक पालक अधिकारी का नियोजन किया गया। 323 मंडलों मे से 257 मंडल के सम्मेलनों में 3879 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। **अधिकतम शाखा दिवस –** 22 दिसंबर 2024 को प्रांत के 323 मंडल एवं 103 बस्ती में से 212 मंडल और 99 बस्ती में 562 कार्यकर्ताओं ने 935 शाखा लगाई 6652 स्वयंसेवक उपस्थित थे।

दसों दिशाओं में जायें, दल बादल से छा जायें
उमड़ घुमड़ कर हर धरती को नंदनवन सा सरसायें

कार्यकर्ता प्रशिक्षण, गुणवत्ता विकास

दक्षिण तमिलनाडु – प्रांत में सभी व्यवसायी शाखाओं की बृहद बैठक संपन्न हो ऐसी योजना बनी । 23 जून 2024 एवं 12 जनवरी 2025 इन दो दिनों में यह बैठकें संपन्न हुई। इसका कार्यान्वयन करने के लिए जिला स्तर पर टोली का गठन किया था । बैठक लेने वालों का प्रशिक्षण भी हुआ। दोनों दिन मिलाकर 447 शाखाओं की बैठकें संपन्न हुई । कुछ शाखाओं ने नई शाखा, मिलन भी शुरू किये है । शाखा बैठक की नियमितता, सज्जन शक्ति सक्रियता शाखा विस्तार, उपक्रम, जागरण टोली गठन ऐसी उपलब्धियाँ रही ।

कर्नाटक दक्षिण – पुत्तूर जिला के अरमबुर ग्राम के विद्यार्थी शाखा द्वारा हर महीने दिनांक 16 को प्रहार यज्ञ का आयोजन होता है । स्वयंसेवकों ने घोष की रचनाएँ बजाना भी सीखा है । इस शाखा के अलावा उपबस्ति में 2 मिलन एवं 1 बाल शाखा भी चलती है । वर्ष में 2 बार निवासी वर्गों का आयोजन होता है । जन्मदिन पर वृक्षारोपण का उपक्रम चलाया जाता है एवं पुराने अखबार बेचकर 'विद्यानिधि' का संग्रह किया जाता है । गाँव के मैदान, मंदिर एवं बस स्थानक की स्वच्छता का स्वयंसेवकों द्वारा ध्यान रखा जाता है ।

आंध्र प्रदेश – पूजनीय सरसंघचालक जी का 2 शाखाओं में प्रवास की योजना थी । महानगर में 14 शाखाओं को चयन करके उनमें गुणात्मक वृध्दि लाने हेतु कुछ बिन्दुओं पर प्रयास किया गया। **1.** औसत उपस्थित 16 - 20 हो **2.** शाखा क्षेत्र में शाखा कार्यकर्ताओं के द्वारा सप्ताह में 4 घंटा गृह संपर्क हो **3.** शाखा की टोली, व्यवसायी शाखाओं में जागरण टोली एवं 2 या 3 उपक्रम करना ऐसे निकष थे। इस प्रयास के कारण 14 शाखाओं में अपेक्षित सब प्रयास अच्छे हो गये। 5 शाखाओं में जागरण टोली बन गई । सभी शाखाओं में औसत उपस्थित 16-20 तक रही । रोज शाखा में गृह संपर्क की आदत बनी ।

पश्चिम महाराष्ट्र – पुणे महानगर के छत्रपती संभाजी भाग ने प्रार्थना स्पर्धा का आयोजन किया । प्रत्येक नगर के प्रत्येक आयु गट से दो स्पर्धक अंतिम प्रतियोगिता के लिये चुने गये। संदर्भ के लिये पुस्तक सूची दी गई थी । सहभाग बढाने हेतु प्रवास निश्चित हुए । जिले मे 40 कार्यशाला और 6 बौद्धिक वर्ग संपन्न हुए । 24 जनवरी 2025 को अंतिम प्रतियोगिता के लिये 56 स्वयंसेवकों का चयन हुआ । 131 संकल्पित शाखा, मिलन से 504 स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

देवगिरी – शाखाओं का वार्षिक उत्सव संपन्न हो इसके लिए विशेष प्रयास किये गए । प्रांत में 121 शाखाओं के एवं 42 साप्ताहिक मिलन के कुल 163 वार्षिक उत्सव संपन्न हुए। स्वयंसेवकों की उपस्थिति 5861 एवं नागरिक उपस्थिति 5096 रही 9805 घरों में संपर्क हुआ ।

मध्य भारत – भोपाल विभाग की फतेहसिंह विद्यार्थी शाखा में नियमित घोष का अभ्यास 10 वर्षो से अधिक समय से चल रहा है । जनवरी 2025 में 'स्वर नाद संगम' कार्यक्रम करने की योजना जुलाई 2024 में बनाई गयी । शाखा के 12 घोष वादकों ने भाग की सभी विद्यार्थी शाखाओं पर घोष अभ्यास हेतु प्रवास किया एवं घोष केंद्र प्रारम्भ किये । कार्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम निश्चित किया । 20 से अधिक रचना का वादन संगम में भाग लेने के लिए अनिवार्य था । 2 फ़रवरी 2025 को सम्पन्न कार्यक्रम हुआ । फतेहसिंह शाखा के 19 कार्यकर्ता एवं अन्य शाखाओं के 32 कार्यकर्ताओं ने उत्कृष्ट कौशल का अद्वितीय प्रदर्शन किया । प्रगत वादकों द्वारा 30 से अधिक सुमधुर घोष रचनाएँ एवं विविध कलात्मक आकृतियों का मंचन किया गया । इस कार्यक्रम में समाज के 650 सज्जन बंधु - भगिनी उपस्थित रहे । वर्तमान मे प्रताप भाग मे 7 नियमित घोष अभ्यास केंद्र चल रहे है ।

महाकोशल – छत्तरपुर विभाग मे 9 फरवरी 2025 को सभी खंड स्तर पर शाखा संगम एवं शारीरिक प्रधान कार्यक्रम आयोजित किया गये । इस कार्यक्रम मे 131 मण्डल, 133 शाखा से कुल 1456 स्वयंसेवक उपस्थित रहे । शाखा संगम मे स्वयंसेवकों की सहभागिता - नियुद्ध प्रदर्शन 88, सामूहिक 391, व्यायाम योग 757, दण्ड प्रदर्शन मे 48 ।

चित्तौड़ – भीलवाड़ा महानगर में शिशु स्वयंसेवकों के संचलन 26 जनवरी 2025 को आयोजित किये गये । शाखाओं में

शिशु स्वयंसेवकों की सूची बनी । इसमें कार्यकर्ताओं के परिवार से शिशु स्वयंसेवकों को जोड़ा गया। गणवेश पूर्ण होने पर पंजीयन की व्यवस्था की गई । 500 परिवारों में संपर्क किया गया । 150 नए परिवार जुड़े, 90 शाखाओं के शिशु शामिल हुए । 523 शिशु उपस्थित थे ।

हरियाणा – दिनांक 29.12.2024 को "वीर बाल दिवस" के उपलक्ष्य में केशव विद्यार्थी शाखा, अटेली मंडल का वार्षिक उत्सव एवं पथसंचलन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । स्वयंसेवकों ने नियुद्ध, आसान, व्यायाम योग व दण्ड के प्रयोगों का यशस्वी प्रदर्शन किया । उपस्थिति 64 रही । शाखा वार्षिकोत्सव के बाद कस्बे में घोष के साथ पथसंचलन निकाला गया, जिसमें पूर्ण गणवेश में 42 संख्या उपस्थित रही ।

जम्मू कश्मीर – प्रांत में कॉलेज विद्यार्थी कार्य को गति देने के उद्देश्य से जनवरी मास में एक शिविर की विस्तार से योजना बनी । शिविर में शिविर अधिकारी के नाते सेवानिवृत लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) आदर्श शर्मा उपस्थित थे । सभी 20 जिलों से 268 कार्यकर्ता सहभागी हुए । जम्मू के कुछ विशेष महत्व के शिक्षण संस्थान जैसे आई.आई.टी., आई.आई.एम., एम्स, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय, कृषि विश्वविद्यालय आदि से कार्यकर्ता इस शिविर में आए । 71 में से 32 महाविद्यालय के विद्यार्थियों की सहभागिता रही एवं 70 खण्डों व नगरों के कार्यकर्ताओं की भी सहभागिता रही । महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य में दायित्व युक्त कार्यकर्ताओं की संख्या 48 से बढ़कर 210 हो गयी हैं । शाखाओं की संख्या 20 से 55 हो गयी और मिलनों की संख्या 9 से 17 हो गयी हैं ।

हिमाचल – 1. तरूण कार्यकर्ताओं के वर्ग 7 विभागों में 7 – 9 फरवरी 2025 को सम्पन्न हुए । 330 कार्यकर्ता सहभागी हुए ।

2. विकट भौगोलिक विषमता होने पर भी प्रान्त के खण्ड और नगर अनुसार 137 पथ संचलन सम्पन्न हुए । 825 शाखाओं एवं 1001 मण्डल/बस्तियों का प्रतिनिधित्व हुआ। 10542 स्वयंसेवक सहभागी हुए ।

3. शाखा अवलोकन – शाखाओं / साप्ताहिक मिलनों का प्रवासी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रत्यक्ष अवलोकन 23 फरवरी से 3 मार्च 2025 तक संपन्न हुआ । शाखा स्थान पर जाकर वहीं से ई–फॉर्म द्वारा जानकारी भरना अपेक्षित था । 708 शाखाओं तथा 212 साप्ताहिक मिलनों में 911 प्रवासी कार्यकर्ताओं का प्रवास रहा ।

मेरठ – **देववृन्द** के शारीरिक और बौद्धिक विभाग ने संयुक्तरूप से योजना बनाकर गणगीत और गण समता प्रतियोगिता का आयोजन किया । प्रतियोगिता में 109 संख्या रही । **नोएडा महानगर** के विद्यार्थी कार्यविभाग द्वारा 'स्वामी विवेकानंद स्टडी सर्कल' के माध्यम से नोएडा के विविध विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में संघ विचार पहुंचाने एवं प्रत्येक विद्यार्थी को संपर्क में रखने हेतु योजना बनाई। 1000 से अधिक कॉलेज विद्यार्थी संपर्क में आए । **मेरठ पश्चिम** विद्यार्थी विभाग द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस – वरदान या अभिशाप" विषय पर चर्चा–परिचर्चा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । 6 महाविद्यालयों में यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई । 784 महाविद्यालयीन छात्रों ने प्रतिभाग किया । **हरनंदी महानगर** ने बाल ओलंपिक नाम से 4 घंटे का शारीरिक कार्यक्रम रखा । 15 नगरों से 1737 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

कानपुर – कानपुर महानगर के कानपुर दक्षिण भाग द्वारा 7 फरवरी से 12 फरवरी 2025 तक 'गीत विधा कार्यशाला का आयोजन किया गया । शाखा के गटनायक, गण शिक्षक, कार्यवाह, मुख्य शिक्षक एवं प्रवासी कार्यकर्ता दो गीत कंठस्थ करें एवं बिना देखे लिख सके ऐसा आव्हान किया गया । नगर श: टोलियों का गठन कर 5–5 स्वयंसेवकों को एकत्रित कर गीत अभ्यास कराया गया । गीत के अर्थ पर चर्चा भी हुई 13 नगरों के 117 बस्तियों से 585 अपेक्षित कार्यकर्ताओं में से 355 कार्यकर्ता कार्यशाला में एवं 230 गीत लेखन में उपस्थित थे ।

अवध – लखनऊ महानगर में 1 दिसंबर 2024 को शारीरिक प्रधान कार्यक्रम एवं समता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । शाखा टोली का गठन हो, अभ्यास वर्ग नियमित हो एवं गणवेश वृद्धी हो यह उद्देश्य था । तैय्यारी हेतु भाग टोली बैठक, टोली अभ्यास वर्ग, वार्षिकोत्सव, शिविर संपन्न हुए 503 शाखाओं में से 337 शाखा के 1034 स्वयंसेवक उपस्थित थे । 411 में से 327 बस्तियों का प्रतिनिधित्व रहा । **सीतापुर** विभाग में शत-प्रतिशत शाखाओं पर 15 नवंबर से 15 फरवरी के बीच वार्षिकोत्सव हो इसके लिए चरणबद्ध प्रयास किए गए । शाखा दर्शन योजना, शून्य बजट का आग्रह, समाज की सहभागिता इत्यादि बिन्दुओं पर ध्यान दिया गया। 575 में से 339 शाखा के उत्सव संपन्न हुए । 6,581 स्वयंसेवक एवं 11,708 नागरिक सम्मिलित हुए ।

उत्तर बिहार – पंच परिवर्तन के विचार को समाज में निचले स्तर तक ले जाने हेतु समाज के नेतृत्व कर्ता, विचारक एवं अध्येता का समागम 'अध्येता वक्ता प्रबोधन' कार्यशाला के रूप में संपन्न हुआ । इसमें शिक्षा क्षेत्र से सम्बंधित शिक्षक, प्राध्यापक, समाज के मुखिया, लेखक, पत्रकार, यूट्यूबर एवं अन्य सोशल साइट्स के सक्रिय कार्यकर्ता, समाजाभिमुख संगठन के कार्यकर्ता, वक्तृत्व गुणसम्पन्न विद्यार्थी आदि निमंत्रित किये गए । पंच परिवर्तन के विषयों में 190 कार्यकर्ता सहभागी हुए । इन्ही वक्ताओं का आगे खंड स्तर पर प्रवास सुनिश्चित हुआ । 52 स्थानों पर वक्ताओं ने अपने विचार रखें । 3202 उपस्थिति रही ।

झारखंड – जमशेदपुर महानगर में 13 नगर एवं 154 बस्ती है । सभी बस्तियों का प्रतिनिधित्व के लक्ष्य को लेकर 19 जनवरी 2025 को शाखा महाकुंभ का आयोजन किया गया। महानगर के सभी प्रवासी कार्यकर्ताओं का वस्ती पालक इस नाते सहभाग रहा । शाखा टोली का अभ्यास वर्ग सुनिश्चित किया गया । कार्यकर्ताओं के नियमित प्रवास के कारण शाखा टोली सक्रिय हुई और घर-घर जाकर संपर्क का क्रम बना । महाकुंभ में 107 शाखाएं सम्मिलित हुई। 882 स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

ओडिशा पूर्व – प्रान्त बौद्धिक विभाग द्वारा नवंबर 2024 में मानचित्र परिचय सप्ताह आयोजित किया गया । इसके लिए प्रशिक्षण वर्ग लिए गए । 6 विषय के लिए खण्ड तथा नगर स्तर पर वक्ता तैयार हुए । 1000 स्थानों पर बड़े मानचित्र लगाए गए । सभी विषयों पर पावरपोइँट तैयार हुए । 184 खंडों में से 136 खंडों में तथा 45 नगरों में से 44 नगरों पर यह कार्यक्रम हुए । कुल 980 शाखा में से 653 शाखाओं में सप्ताह भर कार्यक्रम चले । 7844 स्वयंसेवकों ने भाग लिया एक पुस्तक के आधार पर प्रतिदिन प्रश्नमंजूषा तैयार करके स्वयंसेवकों को ऑनलाईन भेजा जाता था । इसमें भी सैकडों स्वयंसेवकों ने भाग लिया । अंतिम दिन प्रान्त भर में 509 स्थानों पर परिवार मिलन सहित एक सामूहिक बौद्धिक का कार्यक्रम हुआ । 2699 तरुण, 2521 बाल, 810 प्रौढ तथा 717 माताओं का सहभाग रहा ।

उत्तर बंग – खंड सशक्तिकरण के दृष्टि से खंड अनुसार पथ संचलन का कार्यक्रम नेताजी जन्म जयंती 23 जनवरी 2025 को हुआ । 104 खंड में से 71 खंडे में, 43 नगर में से 32 नगर में 103 स्थानों पर पथ संचलन हुआ । 34 स्थान पर घोष के साथ हुआ । उसमें 219 वादक थे । 3866 स्वयंसेवकों ने भाग लिया ।

दक्षिण असम – 2 अक्टूबर 2024, महालया के दिन प्रांत में पथ संचलन दिवस का आयोजन किया गया । प्रत्येक नगर एवम मंडल मे एक ही दिन संचलन हो ऐसी योजना थी । 37 खंड एवम 9 नगर मे संचलन सम्पन्न हुए । 2179 स्वयंसेवक गणवेश मे उपस्थित थे ।

त्रिपुरा – मकर संक्रांती उत्सव को खंड / नगर स्तर पर मनाने की योजना बनी । इस निमित्त गट व्यवस्था द्वारा शाखा पर उपस्थिति बढाने का एवं शारीरिक विषयों के अभ्यास का आग्रह किया गया । उत्सव में सहभागी होने के लिए शाखा पर अभ्यास करना अनिवार्य था । गुणवत्ता की ओर विशेष ध्यान रखा गया । शारीरिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों के सांघिक अभ्यास के लिए खंड / नगर स्तर पर एकत्रीकरण भी हुए । खंड / नगर टोली की सक्रियता बढ़ी । 61 खंड में से 35 तथा 16 नगरों में से 13 नगरों में उत्सव संपन्न हुए । 2106 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए । 3778 नागरिक उपस्थित रहे । इस निमित्त शाखा पर शारीरिक एवं बौद्धिक अभ्यास ले सकने वाले 208 शिक्षक तैयार हुए ।

जागरण श्रेणी कार्य

सेवा विभाग

- सेवा विभाग की अखिल भारतीय बैठक 10 - 11 अगस्त 2024 को जगन्नाथ पुरी में संपन्न हुई ।
- प्रशिक्षण एवं बैठकें **1.** क्षेत्र तथा प्रान्त सेवा / सह सेवा प्रमुखों का अ. भा. वर्ग जगन्नाथ पुरी में सम्पन्न हुआ। पूजनीय सरसंघचालक जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ । वर्ग में 45 प्रांतों से 109 कार्यकर्ता उपस्थित थे । **2.** विभाग संघ टोली की उपस्थिति में सेवा विभाग तथा सेवा संस्थाओं की संयुक्त योजना बैठक 240 विभागों में सम्पन्न हुई । **3.** 878 नगरों में शाखा सेवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग हुआ ।
- 2924 शहरों की 13,546 व्यवसायी शाखाओं में 19,376 सेवा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हो गयी है । 12,732 सेवा बस्तियों में स्थानीय शाखाओं के सहयोग से बस्ती की आवश्यकता अनुसार सेवा कार्य प्रारंभ किए जा रहे है ।
- मातृ संस्थाओं सहित कुल 89,706 सेवाकार्य (दैनिक या साप्ताहिक) चल रहे है । इस वर्ष 34,974 अन्य सेवा उपक्रम किये गए है ।

• नियमित सेवा कार्य →	शिक्षा - 40,920
स्वास्थ्य - 17,461	स्वावलम्बन - 10,779
सामाजिक - 20,546	योग - 89,706

- 31 प्रांतों के 723 जिलों में 8,426 शाखाओं ने सेवा सप्ताह का आयोजन किया ।

उत्तर तमिलनाडु – चेन्नई महानगर में 5 जनवरी 2025 को रक्तदान शिविर का कार्यक्रम आयोजित किया था । महानगर के 68 नगरों में से 33 नगरों में शिविर का आयोजन था । एवं 35 अन्य नगरों ने इसी में सहभाग किया । 80 संगठनों के 673 स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं ने इसमें अपना समय दिया। 2750 लोगों ने पंजीयन किया था एवं 1667 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया । पहली बार रक्तदान करने वाले 265 थे । शाखा के गट रचना के कारण इतने बड़े प्रमाण में रक्त दाताओं को शिविर तक लाना संभव हुआ है ।

सौराष्ट्र – पश्चिम कच्छ जिला पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित है । इस बन्नी नाम के इलाके में रहने वाले वाढा समुदाय के लोग बहुतही कष्टमय जीवन व्यतित करते है। ऊपर आकाश और नीचे पृथ्वी । पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं है। खुद को साफ कैसे रखा जाए इसकी समझ नहीं है । भगवान की भक्ति से कोसों दूर निरक्षरता, शारीरिक - मानसिक विकास नहीं । चाहे गर्मी हो या ठंड - एकमात्र सहारा बबूल का पेड़ ही है। ऐसी यहाँ के समाज की स्थिति है । सेवा साधना - कच्छ ने दानदाताओं की मदत से रहने के लिए चार गांवों में कुल पैंसठ मकानों का निर्माण किया। मंदिरों का भी निर्माण किया गया । मुस्लिम बहुल क्षेत्र में रहने के कारण नाम, पहनावा, सोच, पूजा पद्धति सब कुछ उनके जैसा था । हमारे प्रयासों से उस समाज में निकाह के स्थान पर अब शादियाँ होने लगीं है। समरसता युक्त माहौल में, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ, पूज्य संत-महंत, दानदाताओं और सामाजिक व राजनितिक नेताओं की मौजूदगी में 8 दिसंबर 2024 को उस समाज में पहला सामूहिक विवाह संपन्न हुआ । वाढा समाज की खुशी को शब्दों में बयान करना संभव नहीं है ।

जयपुर – जयपुर महानगर में घुमंतू समाज के बीच कार्य चल रहा है । एक सिलाई केंद्र संचालित है । जिसके कारण महिलाओं को रोजगार का साधन मिला है । 15 परिवारों को गैस कनैक्शन एवं 5 बस्तियों में 550 लोगों को सरकारी दस्तावेज दिलाएं गए है । 44 बालक बालिकाओं को नि:शुल्क निजी विद्यालय में प्रवेश दिलाया है । 9 आरोग्य केंद्र चलायें जाते है । देव दर्शन यात्रा का लाभ 205 परिवारों को मिला है । समरसता संदेश यात्रा में 7 संत जयपुर से प्रयागराज गए । 37 वैष्णव पण्ड़ितों

द्वारा घुमन्तू बस्ती में मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ । 9 बस्तियों में पुजारी नियुक्त कर उनका प्रशिक्षण कराया गया एवं धर्म आस्था केन्द्रों को जागृत किया गया ।

जम्मू कश्मीर – प्रांत के प्रत्येक नगर में सेवा बस्तियों की सूची बनी । 58 व्यवसायी शाखाओं के दो-दो सेवा कार्यकर्ता तय किए गए चिन्हित 53 सेवा बस्तियों को इन शाखाओं ने गोद लेकर विभिन्न सेवा संस्थाओं के सहयोग से सर्वेक्षण किया एवं कुछ शाखाओं ने इस दिशा मे प्रयास भी प्रारंभ किए । 15 दिसंबर 2024 को मा.भैया जी जोशी के साथ इन सेवा कार्यकर्ताओं व सेवा समूह के कुछ चयनित कार्यकर्ताओं की एक बैठक हुई । सेवा कार्यकर्ता के साथ-साथ शाखा के कार्यवाह, नगर, जिला, विभाग टोली भी अपेक्षित थी । बैठक से पूर्व सभी शाखाओं द्वारा सेवा बस्ती का अध्ययन किया गया व 38 शाखाएं बैठक से पूर्व कुछ न कुछ उपक्रम प्रारंभ करके आई थी ।

संपर्क विभाग

- अभी अखिल भारतीय स्तर से जिला स्तर तक विभिन्न 10 श्रेणीयों में कुल 2,01,002 की सूची बनी है । 11,908 कार्यकर्ता हैं । अब तक संपर्क सूची में से 1,24,656 महानुभावों से प्रत्यक्ष संपर्क हुआ है ।
- संपर्क सूची में सहभागी व्यक्ति हेतु देश में 377 स्थानों पर 'संघ परिचय वर्ग' का आयोजन हुआ । 15,694 व्यक्तियों की सहभागिता रही । श्रेणीश: परिचय वर्ग भी कई स्थान पर हुए ।
- अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के प्रस्ताव प्रत्यक्ष मिलकर 89,946 महानुभावों को दिया गया एवं 18,903 को ईमेल से भेजा गया ।
- 576 स्थानों पर आयोजित संगोष्ठी में 39,797 महानुभाव सहभागी हुए ।
- 1001 स्थानों पर आयोजित 3634 कक्ष बैठकों में कुल 46,401 महानुभाव उपस्थित रहे ।
- पू. सरसंघचालक जी के विजयादशमी उद्बोधन पर संवाद के कार्यक्रम 68 केंद्रों पर हुए । 5021 निमंत्रित बंधु भगिनी का सहभाग रहा ।
- पू. सरसंघचालक जी और मा. सरकार्यवाह जी के प्रवास में संपर्क विभाग के माध्यम से, अन्यान्य स्थानों पर गणमान्यों से व्यक्तिगत मिलने की योजना रही ।
- समय समय पर उपस्थित हुए विभिन्न सामाजिक विषयों पर समाज को सकारात्मक भूमिका के दिशा में ले जाने हेतु संपर्क विभाग का सक्रिय सहभाग रहा । बांग्लादेश में हिंदूओं पर हुए अत्याचार के विरोध में देशभर में समाज प्रबोधन करने हेतु संपर्क सूची के महानुभावों की अच्छी सहभागिता रही ।
- कई सामाजिक विषयों पर सज्जन शक्ति के हस्ताक्षर के साथ सामूहिक पत्र जारी किये गये ।
- संपर्क विभाग के वार्षिक नियोजन हेतु 6-7 फरवरी 2025 को मुंबई में क्षेत्र संपर्क प्रमुख तथा अखिल भारतीय संपर्क टोली की बैठक संपन्न हुई। अगस्त 2024 में इंदौर में प्रांत संपर्क प्रमुख तथा प्रांत में अ. भा. सूची प्रमुखों की बैठक हुई। 172 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।
- प्रयागराज महाकुंभ में संपर्क विभाग के माध्यम से पूज्य शंकराचार्य, आचार्य महामंडलेश्वर तथा अन्य प्रमुख संतो से संपर्क हुआ ।
- इस वर्ष केंद्र शासित प्रदेश व अन्य छोटे प्रदेशों (कश्मीर घाटी, लेह, सिक्कीम, अंदमान निकोबार, मेघालय, नागालँड आदि) में भी अ. भा टोली का प्रवास हुआ । प्रांतश: प्रवास भी हुआ । सभी क्षेत्रों की अलग - अलग बैठकों में भी जाना हुआ ।
- सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षिक क्षेत्र में विभिन्न मत पंथो के बंधुओं से सकारात्मक भेंट हुई । कई विरोधी माने जानेवाले बंधुओं से भी वार्ता में अच्छा प्रतिसाद मिला ।
- पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में कोलकाता में दक्षिण बंग एवं मध्य बंग के संपर्क सूची में से चयनित महानुभावों का एक दिवसीय संघ परिचय वर्ग 7 सितंबर 2024 को

संपन्न हुआ । 54 महानुभाव उपस्थित थे । वर्तमान एवं निवर्तमान कुलगुरु, नामांकित विद्या संस्थानों के संचालक, विचारक, उद्योगपति, चिकित्सक, वैज्ञानिक एवं क्रीडा जगत के प्रमुखों की सहभागिता रही । 8 सितंबर 2024 को आयोजित संगोष्ठी में 380 संख्या रही ।

- मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में दिल्ली के संपर्क विभाग द्वारा 16 अक्तूबर 2024 को महिला संगोष्ठी आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में 5 उत्तरी राज्यों से समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख बहनें उपस्थित रही । 29 जुलै 2024 को भाग्यनगर, तेलंगाणा में 'युवा स्टार्ट अप मीट' का आयोजन किया गया । 60 युवा स्टार्ट अप के प्रमुख उपस्थित रहे ।

मध्य भारत – पंच परिवर्तन विषय को लेकर राजगढ़ विभाग में स्वयंसेवकों ने 'परिवार गोष्ठी का आयोजन किया । 13-17 (महर्षि वाल्मीकि जयंती) अक्टूबर एवं 11 से 26 जनवरी (मकर सक्रांति)के मध्य घरों में जाकर पंच परिवर्तन का विषय रखा । महपुरुषों के चित्र स्वयंसेवकों के घर लगे एवं इनसे सम्बंधित साहित्य विक्रय की भी योजना बनी । चर्चा प्रवर्तक इस नाते समाज की सज्जन शक्ति, विविध संगठनों के कार्यकर्ता, मातृशक्ति एवं जागरण श्रेणी व गतिविधि के कार्यकर्ता चयन किये गए । इनका 2 सत्रों का प्रशिक्षण भी किया गया । सभी चर्चा प्रवर्तको क़ो सशुल्क डा. अम्बेडकर, महर्षि वाल्मीकि जी, संत रविदास जी के चित्र एवं पंच परिवर्तन से जुडा साहित्य परिवारों में देने हेतु दिया गया । एक चर्चा प्रवर्तक को 10-15 परिवारों में जाना था । 9117 परिवारों में गोष्टी सम्पन्न हुई, 17323 मातृशक्ति, 26787 पुरुष, 7297 बालक - बालिका, कुल 51407 का सहभाग रहा । 5400 परिवारों में चित्र विक्रय किए गए ।

छत्तीसगढ़ – रायगढ़ नगर के संपर्क विभाग के द्वारा समाज जीवन में कार्यरत विभिन्न श्रेणियों के बन्धु भगिनी को 'वर्तमान चुनौतियां एवं राष्ट्र निर्माण में हमारी भूमिका इस विषय पर मा. सरकार्यवाह जी के व्याख्यान निमित्त आमंत्रित किया था। अध्यक्ष के रूप में श्री कृष्ण कन्हाई (गोल्डन आर्ट में पद्म श्री से सम्मानित) रहे । 963 श्रोता उपस्थित थे । इनमें 385 मातृशक्ति का सहभाग रहा ।

हिमाचल – गत वर्ष श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के प्रसंग पर प्रान्त में व्यापक जन संपर्क अभियान चलाया था । इनके अनुवर्तन में जागरण श्रेणी द्वारा सम्पर्कित व्यक्तियों के लिए संघ परिचय वर्गों की योजना बनी । 95 संघ परिचय वर्ग में 3195 समाज बन्धु उपस्थित रहे ।

संघ परिचय वर्ग, कोलकाता

प्रचार विभाग

- **पू. सरसंघचालक प्रवास –** इस वर्ष पू. सरसंघचालक जी के दो दिवसीय प्रवास (27-28 जुलाई, 2025) में दिल्ली में स्तम्भ लेखक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से विभिन्न विषयों पर लिखने वाले 102 स्तंभ लेखक उपस्थित हुए।
- **मा. सरकार्यवाह प्रवास –** सम्पादकों के साथ संवाद – गत दो वर्ष से मा. सरकार्यवाह जी के साथ संपादकों व राज्य प्रमुखों के साथ अनौपचारिक संवाद का क्रम चल रहा है। इस वर्ष भी भोपाल, जयपुर और बंगलुरु में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुए, इसमें कुल 104 संख्या उपस्थित रही।
- **क्षेत्रश: स्तम्भ लेखक कार्यशाला :** इस वर्ष प्रान्त और क्षेत्र स्तर पर स्तम्भ लेखकों की कार्यशालाएँ सम्पन्न हुई। चेन्नई और बंगलुरु की कार्यशालाओं में मा. सरकार्यवाह भी उपस्थित थे। अभी तक सम्पन्न हुई 13 कार्यशालाओं में 687 स्तम्भ लेखक / ब्लोगर्स उपस्थित हुए, जिनके द्वारा विमर्श के विभिन्न विषयों पर सभी भाषाओं में निरन्तर लेखन हो रहा है। ग्वालियर में मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी स्मृति स्तम्भ लेखक सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **सोशल मीडिया :** गत वर्ष सोशल मीडिया के प्रान्त टोली कार्यकर्ताओं की दो दिवसीय बैठक बंगलुरु में सम्पन्न हुई थी, जिसमें सोशल मीडिया में सक्रिय व प्रभावी लोगों के प्रशिक्षण व सम्मेलन करने की योजना बनी थी। उस क्रम में इस वर्ष 24 प्रांतों में कुल 224 सोशल मीडिया प्रशिक्षण कार्यशालाएँ सम्पन्न हुई, जिसमें 8024 लोगों ने प्रशिक्षण लिया। साथ ही 16 स्थानों पर सोशल मीडिया सम्मेलन सम्पन्न हुए। जिसमें 3316 संख्या रही इसके अतिरिक्त 52 सोशल मीडिया इन्फ्लूएंशर मीट भी संपन्न हुए। जिसमें 869 संख्या उपस्थित रही।
- **साहित्य उत्सव –** विमर्श को आगे बढ़ाने की दृष्टि से निरन्तर साहित्योत्सव हो रहे हैं। इस वर्ष मंगलूरू, इन्दौर, कटनी, सीकर, भरतपुर, सांगानेर, राजसमन्द, जोधपुर, दरभंगा और गुवाहाटी में साहित्योत्सव सम्पन्न हुए। भोपाल में सम्पन्न हुए महिला साहित्यकार सम्मेलन में 121 महिला साहित्यकार सहभागी हुई।

विदर्भ – नागपुर महानगर प्रचार विभाग एवं भारतीय चित्र साधना से प्रेरित नागपुर चलचित्र फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय से संलग्न हो कर विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 9 से 12 जनवरी 2025 को नागपुर फिल्म फेस्टिवल का प्रथम संस्करण आयोजित किया गया। इस उत्सव में भारतीय विषयों पर 350 लघु फिल्म, 22 भाषाओं में, 65 शहरों से प्राप्त हुई विशेष रूप से 178 फिल्में विदर्भ प्रांत से प्राप्त हुई। निर्णायकों द्वारा चयनित 143 फिल्मों को 4 स्क्रीन पर दिखाया गया। फेस्टिवल में विभिन्न श्रेणियों में 34 फिल्मों को पुरस्कृत किया गया। स्वामी विवेकानंद, माँ जीजाबाई, माता अहिल्यादेवी होलकर, भारत का संविधान, वीर बालक, महर्षि दयानंद सरस्वती और भगवान बिरसा मुंडा इन विषयों पर पट कथा लेखन संपन्न हुआ। फिल्म फेस्टिवल में अभिनेता गजेंद्र चौहान, अभिनेत्री क्रांति रेडकर, योगेश सोमण, उद्घाटन में उपस्थित थे। 'मास्टरक्लास सत्रों में उस उस विषय के तज्ञों से साक्षात्कार हुआ। ''महिला सशक्तिकरण और सिनेमा – अभिनेत्री क्रांति रेडकर व फिल्म लेखक समीर सतीजा, ''अभिनय की बारीकियाँ'' – योगेश सोमण और अजय पुरकर, ''सिनेमा में ध्वनि'' – विजय दयाल और गंधार मोकाशी, ''स्क्रिप्ट टू स्क्रीन: एक यात्रा'' – फिल्म निर्देशक दिगपाल लांजेकर और फिल्म निर्देशक प्रवीण तराड़े एवं ''सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और सिनेमा'' – फिल्म निर्देशक मिलिंद लेले का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। 5000 से ज्यादा इस क्षेत्र से जुड़े तरुण वर्ग ने हिस्सा लिया।

हरियाणा – प्रचार विभाग की योजना से विश्व संवाद केंद्र (हरियाणा) द्वारा पत्रकारिता के विद्यार्थी /प्राध्यापकों को सेवा कार्यों की दृष्टि और अनुभव देने के उद्देश्य से, सेवा भारती द्वारा संचालित सेवा केन्द्रों पर डॉक्युमेंट्री/रील प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रान्त के 17 विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से 200 विद्यार्थी, 50 प्राध्यापक द्वारा 20 सेवा कार्यों के दर्शन हुए और इन कार्यों की 31 डॉक्युमेंट्री व 39 रील प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को एक सामूहिक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

धर्मजागरण समन्वय

- अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग विदर्भ प्रांत के अमरावती नगर में 3-4 अगस्त 2024 को संपन्न हुआ। सभी 45 प्रांतों के 137 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मा. भैय्याजी जोशी जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। त्रिपुरा, दक्षिण असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश सहित 40 प्रांतों में अभ्यास वर्ग संपन्न भी हुए।

- इस वर्ष मेघालय और त्रिपुरा में कार्य की शुरुआत हुई है। खासी भाषा में मंत्रों एवं प्रार्थना की पहली पुस्तक का निर्माण हुआ। त्रिपुरा में भगवद् गीता स्थानीय कॉकबोराक भाषा में अनुवादित करके 2000 परिवारों में वितरित की गयी और 2 जागरण यात्रा निकली।

- उत्तर बिहार प्रांत में बेतिया, जिला बारसोई में एक दिन का अभ्यास वर्ग 500 प्रमुख राजवंशी, थारू, दलित समूह बंधु भगिनी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ प्रांत में तीन दिन के अभ्यास वर्ग में 120 धाम के 137 प्रमुख पुजारी, पाहन, गुरु माता, बैगा, गुनिया, पंडा, साधु संत सहभागी हुए। छत्तीसगढ़ प्रांत में 'सर्व सनातन हिन्दू सम्मेलन' से 410 गाँवों में संपर्क हुआ।

- देवगिरी प्रांत के जालना में 2 स्थानों पर 2000 नायक कारभारी, पुजारी, भजनकारी परिषद् में उपस्थित रहे।

- मालवा प्रांत के जनजाति बहुल झाबुआ जिले के मेघनगर में रुद्राक्ष महाभिषेक एवं नाडी परीक्षण का आयोजन हुआ। 250 साधु-संत, पटेल, तड़वी, पुजारा, भगत इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कुल 700 कार्यकर्ताओं की योगदान से 160 गाँवों से 60,832 परिवारों के लगभग 2,00,000 लोगों ने रुद्राक्ष पहने।

- तेलंगाना और पश्चिम महाराष्ट्र प्रांत में पुजारी प्रशिक्षण वर्ग में 764 गाँवों से 95 जाती - जनजाति के 765 पुरुष और 233 महिला पुजारी प्रशिक्षित हुए।

- उत्तर असम के चाय बागान क्षेत्र में 5 स्थानों पर 773 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न हुआ। 83 गावों से शिशु संस्कार हेतु आयोजित कृष्णगोकुलम में 2732 शिशु सम्मिलित हुए।

- धर्म भाव दृढ़ करने के लिये 45 प्रांतों में 521 जागरण यात्रा के माध्यम से 4634 गाँवों में संपर्क हुआ।

देशभर में धर्म रक्षा बंधन, भारत माता पूजन, धर्म रक्षा दिवस, संत यात्रा, जागरण यात्रा और आंध्र एवं तेलंगाना में घर-घर हिंदू धर्म परिचय अभियान हुआ। इन सभी माध्यम से संपूर्ण देश में 40,265 स्थानों में 40 लाख परिवार के 2 करोड़ लोगों से संपर्क किया गया।

मालवा – रुद्राक्ष महायज्ञ झाबुआ : धर्म जागरण गतिविधि द्वारा आयोजित इस महायज्ञ के लिये 160 ग्रामों में बैठक कर समितियां बनी। जिले के पटेल, पुजारियों का सम्मेलन हुआ। 185 कार्यकर्ता सात दिन के लिये विस्तारक निकले 1,062 दम्पत्ति पंजीयन कर उपस्थित रहे। 15,000 जनजाति माता बहिनों की उपस्थिति इस आयोजन में हुई। ग्राम संपर्क के दौरान 1,85,000 बंधु भगिनि को रुद्राक्ष पहनाये गये। 33 गावों में शिवलिंग की स्थापना हुई।

उत्तराखंड – धर्मजागरण गतिविधि एवं शाखा के कार्यकर्ता ने कोटद्वार जिले में कक्षा 6 से 8 तथा कक्षा 9 से 12 ऐसे दो वर्गों में सनातन धर्म, संस्कृति, वेद वेदांत आदि विषयों पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया। 20 विद्यालयों में प्रतियोगिता का सफलतम आयोजन हो पाया । 14,760 विद्यार्थी सहभागी हुए । प्रतियोगिता के आयोजन के लिए जिले के कई बुद्धिजीवियों, विद्यालयों की प्रबंध समितियों एवं अध्यापकों का सहयोग लिया गया । प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । कुछ नए स्थानों पर मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा के पाठ होने शुरु हो गए ।

काशी – मीरजापुर जिले के गोडसर शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा क्षेत्र में चल रहे धर्मांतरण कार्य को रोका गया । ग्राम नरोइया के सेवा बस्ती में कई दिनों से माइक लगाकर धर्मांतरण का कार्य चलाया जा रहा था । लालच देकर ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा था । स्वयंसेवकों ने जिला प्रशासन के सहयोग से अवैध गतिविधियों को रोका । बस्ती के 10 लोगो ने प्रारम्भिक वर्ग एवं 4 स्वयंसेवकों ने प्राथमिक शिक्षा वर्ग का प्रशिक्षण लिया । अब गांव में नई शाखा प्रारम्भ हो गई है ।

गो सेवा

गो सेवा के 12 आयामों में इस वर्ष सभी आयामों मे सभी प्रांतों मे कुछ न कुछ कार्यक्रम हुए हैं ।

- **प्रशिक्षण वर्ग –** खंड, नगर, जिला, विभाग एवं प्रांत स्तर पर 1,144 प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुए । 31,626 प्रशिक्षार्थी सम्मिलित हुए ।
- **गो–पालन गो–संवर्धन** – देश मे अपने प्रयास से 74,468 घरों मे गो पालन हो रहा है। गायों की संख्या 1,87,466 हैं 11,640 गो-शालाएं अपने सम्पर्क मे हैं।
- **गो–आधारित कृषि –** 21,469 किसान 67,932 एकड़ भूमि मे गो आधारित खेती कर रहे है । 17,767 परिवारो में छत पर बागवानी हो रही है ।
- **गो –उर्जा –** 2,207 परिवारों मे बैल–हल से खेती की जा रही है । 17,246 घरों मे गोबर गैस लगाया गया है।
- **गोपाष्ठमी कार्यक्रम** – 2450 मठ, मंदिर, आश्रम संस्थानों मे 10,910 स्थानों पर 24,127 कार्यक्रम संपन्न हुए ।

  उपस्थिति – 7,22,156 रही ।
- **गो – नवरात्र** – 2,477 स्थानों पर 15,006 कार्यक्रम आयोजित किये गए । उपस्थिति 1,04,499 रही ।
- **गो – कथा** – 647 स्थानों पर आयोजित की गयी । 1,76,189 लोग सम्मिलित हुए ।
- **गो–सेवा संगम** – 77 स्थानों पर आयोजित हुए । उपस्थिति – 1,56,990 रही ।
- **गो – उत्पाद** – 1,694 कार्यकर्ता गो उत्पाद निर्माण कर रहें है । 2,032 कार्यकर्ता विक्रय कर रहें है ।
- **गोमय गणपति** – कुल 3,78,589 मूर्तीयां घरों मे पूजित की गयी ।
- **गोमय दीपावली** – गोमय दीपक – 23,70,323 निर्माण किये गए । 11,28,343 घरों मे प्रयोग हुए ।
- **प्रति माह पूर्णिमा को गो – पूजन** – 1596 स्थान पर हुआ उपस्थिति 70,509 थी ।
- **गो–विज्ञान परीक्षा** – स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए अक्टुबर से दिसंबर तक पुस्तक पर आधारित गो-विज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया । 6,92,067 पुस्तकों का वितरण हुआ । 8,626 स्थानों पर आयोजित परीक्षा में 6,82,439 छात्रों ने सहभाग किया ।
- **एक गाँव – एक कार्यकर्ता** योजना के अंतर्गत 1387 कार्यकर्ता सक्रिय है ।

ग्राम विकास

- **माननीय सरकार्यवाह प्रवास** – विदर्भ प्रान्त में यवतमाल जिला के प्रभात गाँव शिवनि में 6 अगस्त 2024 को मा. सरकार्यवाह जी का शुभागमन हुआ । प्रान्त के 19 प्रभात गाँवों से आये 108 कार्यकर्ताओं ने उनके साथ ग्राम भ्रमण एवं संवाद किया । खेती में जल संधारण करने से कृषि उत्पाद बढ़ा । गाँव के विकास कार्य में महिला भागीदारिता अच्छी मात्रा में है । महिला बचत गट द्वारा दुग्ध व्यवसाय, पापड, अचार, मसाले इत्यादि निर्माण और बिक्री से आर्थिक उन्नयन हुआ है । संघ शाखा और भजन कीर्तन मंडली के प्रभाव से गाँव में समरसता का वातावरण है तथा गाँव व्यसन मुक्त भी है। मा. सरकार्यवाह जी ने ग्राम सभा को संबोधित किया।

- **क्षेत्रीय अभ्यास वर्ग** – विभाग संयोजक और प्रान्त टोली की भूमिका अधिक स्पष्ट हो इस दृष्टी से क्षेत्रश: अभ्यास वर्गों का आयोजन किया गया । सभी 11 क्षेत्र में वर्ग संपन्न हुए । संवाद, प्रभातफेरी, गोशाला में जाकर सेवा, मंदिर में भजन कीर्तन, ग्राम सभा, आयाम प्रशिक्षण, दर्शनीय गाँवों का वीडियों, जैविक भोजन, ग्राम भ्रमण आदी सत्र एवं उपक्रम लिए गए ।

- **ग्राम संगम – कर्नाटक दक्षिण** – प्रांत में लगभग 1000 गाँवों में ग्राम विकास के विविध आयामों में काम चलता आ रहा है । ऐसे गाँवों के एक दिन का खन्ड स्तरीय ग्राम संगम दिसंबर 2024 में संपन्न हुए । गाँव की सज्जन शक्ति, धार्मिक शक्ति, मातृ शक्ति, युवा शक्ति और संघटन शक्ति को लेकर टोली का गठन किया गया था । 22 ग्राम संगम आयोजित किये गए । 773 गाँवों के 11,000 पुरुष और महिलाओं ने भाग लिया ।

  कार्यक्रम स्थल को ग्रामीण परंपरा के अनुरूप अच्छी तरह से सजाया गया था । रंगोली, गो-पूजा, लोक नृत्य और कलश यात्रा के साथ संगम प्रारंभ हुए । साधु संतो का श्रद्धा भक्ति से स्वागत किया गया । शिक्षा – संस्कार – पर्यावरण संरक्षण – स्वावलंबन – ग्राम सुरक्षा – समरसता और गो-आधारित कृषि इन 7 आयामों का प्रशिक्षण किया गया । ग्राम संगम में गांव की तस्वीरें, हस्तशिल्प, गांव की पुरानी वस्तुओं से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई । गांव के लिए लगातार सेवा कर रहे है । ऐसे लोगों को सम्मानित किया गया। भजन और खेलों के साथ ग्रामीण मिलन का आयोजन किया गया । 'ग्राम संगम' पूरी तरह से प्लास्टिक मुक्त था । सभी प्रतिभागी ग्राम संगम से एक संकल्प लेकर निकले कि हमारे गांव का विकास हम ही करेंगे ।

- **उदय ग्राम अवलोकन योजना** – मालवा प्रान्त में ग्राम विकास गतिविधि के कार्य विस्तार एवं दृढीकरण के लिए 262 उदय गाँव को बीस दिन में प्रवास करके अवलोकन करने की योजना बनी । खंड संयोजक से ऊपर के 131 कार्यकर्ताओं ने प्रवास किया । प्रवास में गाँव का मंदिर, विद्यालय, कृषि क्षेत्र, गोशाला, स्वावलंबन केन्द्र इत्यादी का अवलोकन कर ग्राम समिति की बैठक में सहभागी हुए । 30 बिंदु का सर्वे पत्रक भरा गया एवं गाँव के प्रभावी लोगों से संपर्क किया गया । 197 उदय गाँवों का अवलोकन हुआ । उदय गाँवों की वार्षिक योजना बनी ग्राम समिति की सक्रियता बढ़ी है ।

- **विस्तारक अभियान** – जयपुर प्रान्त के 67 कार्यकर्ता 7 से 15 दिन विस्तारक गए । 66 उदय, प्रभात ग्रामों में रहकर आये । रोज 20 से 30 घर संपर्क, ग्राम समिति बैठक, ग्राम मिलन, आयमों की टोली का गठन – ग्राम स्वच्छता, भजन संकीर्तन, स्वयं सहायता समूह से मिलना, आस-पास के गाँवों से संपर्क, सह भोजन, विद्यालय में जाकर प्रबोधन आदी उपक्रम किए गए ।

- **पालक अधिकारी प्रवास –** आदरणीय भागय्या जी का प्रवास ओडिशा पूर्व प्रांत के पुरी जिला के गेन्डामाली गाँव में हुआ । उन्होंने किसान संगोष्ठि और मातृशक्ति बैठक को संबोधित किया । ग्रामविकास प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ किया ।

  अक्षय कृषि परिवार – कुल 4334 भूमि सुपोषण के कार्यक्रम हुए है । 1,21,352 ग्राम वासी सहभागी हुए ।

कर्नाटक दक्षिण – ग्राम विकास आयाम के सभी 7 आयामों के लिए हर ग्राम से एक महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता मिले, ग्राम समिति का निर्माण हो एवं वह समिति ग्राम का समग्रता से विचार करें इन उद्देश्यों को लेकर 'ग्राम संगम' का आयोजन किया था । 19 साधू संतों ने उदघाटन सत्र में सबको आशीर्वाद प्रदान किया । 773 ग्रामों से 11,074 लोग सहभागी हुए ।

मेरठ – धामपुर जिला के किवाड़ गाँव में जैविक खेती एवं गुड़ उत्पादक इकाई प्रारम्भ की गयी । किसानों द्वारा जैविक विधियों से गन्ने का उत्पादन किया जाता है । इस गन्ने से जैविक गुड़ और शक्कर बनाई जाती है । इसके अलावा, जैविक गुड़ के कई अन्य उत्पाद जैसे गुड़ पाउडर, गुड़ की टॉफी, फ्लेवर्ड गुड़, और अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद तैयार किए जाते हैं । किसानों की आय में भी वृद्धि हुई है । ''किसान उत्पादक संगठन (FPO)'' का गठन भी किया गया है । 5-6 किसान परिवारों को इस योजना से रोजगार मिला है । इसी प्रकार महमूदपुर गाँव में जैविक पीली सरसों का तेल, शहद और हल्दी का उत्पादन होता है । कोल्ड-प्रेस (लकडी घानी) विधि से तेल निकाला जाता है, जिससे इसकी शुद्धता और औषधीय गुण बरकरार रहते हैं । प्राकृतिक रूप से मधुमक्खी पालन किया जाता है । व्यापार लगातार बढ़ रहा है । ढकिया और बबनसराय ग्राम में अदरक और लहसुन का पेस्ट निर्माण किया जाता है । रामठेरा ग्राम में गाय के गोबर से धूपबत्ती निर्माण हो रही है ।

ब्रज – फतेहाबाद जिला में ग्राम विकास गतिविधि द्वारा 6 खण्डों के 12 ग्राम पंचायत में ग्रामोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुए। ग्राम परंपरा दर्शन, श्रम को सम्मान तथा व्यसन मुक्त ग्राम बनें ये तीन बिंदु को आधार बनाकर ग्रामों का चयन हुआ । इन ग्रामों में टोली द्वारा ग्राम के सर्वेक्षण के बाद 20 प्रकार के सम्मान दिए गये । वीर प्रसूता माता, जैविक कृषि, मेधावी छात्र, गो-पालक, संयुक्त परिवार, गो आधारित कृषि वाला किसान जैसे सम्मान प्रमुख थे । अहिल्या देवी होलकर का चित्र सबको दिया गया । इन ग्रामोत्सव में ग्राम परम्पराएँ, हल से खेती, भजन मण्डली, रसिया, कुआँ पूजन, ग्राम देवता पूजन का दर्शन भी हुआ । युवा पीढ़ी को इन परम्पराओं से जोड़ने का आग्रह किया गया । एक ग्राम में छात्रों हेतु पुस्तकालय प्रारम्भ हुआ है ।

कुटुम्ब प्रबोधन

- कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि के प्रांत संयोजक और सह संयोजकों की अखिल भारतीय बैठक, ओंकारेश्वर में 4, 5 जनवरी 2025 को सम्पन्न हुई । इस बैठक में, ''परिवारों में मंगल संवाद के माध्यम से व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक जीवन में लोकहितकारी परिवर्तन दिखें'' यह ध्येय वाक्य सुनिश्चित हुआ है । इस ध्येय वाक्य को ध्यान में रखते हुए, भारत में कुटुम्ब मित्रों के सहभागिता से ''समर्थ कुटुम्ब व्यवस्था'' विकसित करना है । प्रथम चरण में अष्ट सदुण संवर्धन :- बल, शील, ओज, धैर्य, युक्ति, बुद्धि, दृष्टि, दक्षता संवर्धन और 6 दुर्गुण का त्याग- भय, स्वार्थ, अहंकार, आलस्य, गलत सामाजिक मान्यताएं, बौद्धिक जड़ता – इस हेतु प्रयास प्रारंभ हुआ है ।

- भारत के प्रत्येक घर परिवार में राष्ट्रीय दृष्टि तथा सेवाभाव जागरण हेतु **भारत माता पूजन** का आयोजन किया जाता है । प. पू. सरसंघचालक मा. मोहन भागवत जी का 5 जनवरी 2025 को ओंकारेश्वर बैठक में 'भारत माता पूजन' – इस विषय पर प्रबोधन प्राप्त हुआ था, वह यू ट्यूब लिंक के माध्यम से सभी कुटुम्ब मित्रों तक पहुंचाया गया । इस प्रबोधन का मलयालम, तमिल, तेलगु एवं कन्नड़ भाषा में अनुवाद कर वीडियो क्लिप ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचाएं गए है । 12 से 26 जनवरी 2025 तक भारत माता पूजन के कार्यक्रम घर परिवार तथा पाठशालाओं में संपन्न हुए । कुल 2,50,000 परिवारजनों की सहभागिता रही । मुधोल, उत्तर कर्नाटक में एक महिला ने 1000 घरों में भारत माता पूजन के लिए प्रयास किया ।

- **''खेलेंगे खेल तो परिवार में मेल''** इस उपक्रम में 14 अगस्त (अखंड भारत दिवस) से 29 अगस्त (मेजर ध्यानचंद जन्मदिवस) तक कुटुम्ब मित्रों द्वारा अड़ोस पड़ोस के 5-10 परिवारजनों को एकत्रित कर खेल, प्रेरक कथा, सामूहिक भोजन के कार्यक्रम संपन्न हुए ।
- **''नवदम्पत्ति मिलन''** उपक्रम में वैद्य, मानसशास्त्रतज्ञ व्यक्तियों के मार्गदर्शन द्वारा ''सुप्रजा'' के प्रति सजगता निर्माण करने का प्रयास करते हैं । दक्षिण तथा उत्तर तमिलनाडु, दक्षिण और उत्तर कर्नाटक, गुजरात, जोधपुर, दिल्ली, हिमाचल, ओडिशा पूर्व, पश्चिम महाराष्ट्र आदि प्रांतों में यह कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं ।
- इसके अतिरिक्त विविध प्रांतों में अनेक उपक्रमों का आयोजन किया जाता है । उत्तर केरल प्रांत ने ''भक्तिमय शक्तिमय आनंदमय परिवार जीवन'' पुस्तिका प्रकाशित की है । ब्रज प्रांत ने ''मंगल संवाद'' पुस्तक का 20,000 कुटुम्ब मित्रों को वितरण किया है । पश्चिम महाराष्ट्र प्रांत में '9 करणीय कार्य' पत्रक को लेकर 15,000 परिवारों से संपर्क संवाद किया है । दक्षिण तमिलनाडु में प्रत्येक पूर्णिमा को विद्यार्थी तथा अभिभावकों के साथ संवाद में 900 उपस्थिति रहती है । दक्षिण कर्नाटक प्रांत में शिवरात्रि के पर्व पर 1 लाख परिवारों में भजन सत्संग और पंच परिवर्तन विषय पर संवाद संपन्न हुआ ।
- दिल्ली, जयपुर, जोधपुर आदि प्रांतों में ''रात्रि विवाह'' की गलत परंपरा में परिवर्तन कर ''दिन में विवाह'' की मानसिकता तैयार हो रही है । काशी प्रांत में एक ही स्थान पर 501 कन्याओं के पूजन का भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ । कन्या पूजन के कार्यक्रम छत्तीसगढ़, मेरठ, झारखंड, मध्य भारत, आदि प्रांतों में भी संपन्न हुए । पंजाब प्रांत में राम नाम लेखनी पुस्तिका 35,000 परिवारों में तथा ''वाहे गुरु वाहे गुरु'' 7000 परिवारों में पुस्तक लेखन प्रारंभ किया गया है । हरियाणा प्रांत में ''एक शाम परिवार के नाम'' कुटुम्ब सत्संग में 7,853 परिवारों के 32,838 बंधु भगिनियों की सहभागिता थी ''किशोर - किशोरी संवाद'' के माध्यम से भारतीय, जीवनचर्या के प्रति जागरण किया जाता है । दक्षिण कर्नाटक, कोकण, विदर्भ, महाकौशल, जोधपुर, गुजरात, हिमाचल, ब्रज, कानपुर, उत्तर बिहार, झारखंड, ओडिशा पूर्व आदि प्रांतों में इस विषय पर संवाद हुआ । अनेक प्रांतों में योग दिवस, तुलसी पूजा, मातृ पितृ वंदन, सर्वांग सुंदर गणेशोत्सव, नवरात्रि, रामनवमी पर्व पर भजन, हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं ।
- ऐसे विविध उपक्रम तथा सहज संवाद स्थापित कर, कुटुंब मित्र अपने परिवार तथा बस्ती, ग्राम में परस्पर प्रेम - आदर - विश्वास का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं ।

पश्चिम महाराष्ट्र – कुटुंब प्रबोधन गतिविधि के कार्यकर्ताओं द्वारा नवरात्री के पर्व मे 'मातृशक्ती जागर' अभियान संपन्न हुआ । नाशिक के स्कूल और महाविद्यालय की छात्रओं के लिये 'सुंदर मै, समर्थ मै' विषय पर व्याख्यान देने हेतु वक्ता प्रशिक्षण हुआ । 46 स्कूल एवं महाविद्यालय से 74 महिला वक्ता उपस्थित रही । वक्ताओं ने 19 संस्थानों मे 4115 विद्यार्थिनीयों को मार्गदर्शन किया ।

अवध – लखनऊ विभाग में 986 कुटुंब मित्र है । सभी ने भारतीय संस्कृति के आधार पर घर में जन्म दिन मनायाँ जाए इसके लिए प्रयास किया । मई 2024 से यह अभियान प्रारम्भ हुआ । 52 परिवारों ने इसका कार्यान्वयन किया । इसके लिए परिवार सम्मलेन, परिवार गोष्ठी एवं मंगल संवाद का आयोजन किया गया । क्रमश: 724, 112 एवं 74 उपस्थिति रही ।

सामाजिक समरसता

- **प्रशिक्षण वर्ग** – प्रांत आयाम प्रमुखों का वर्ग श्रीशैलम, मेरठ एवं दिल्ली ऐसे 3 स्थानों पर संपन्न हुआ । सभी प्रांतों से 367 कार्यकर्ता बंधु-भगिनी वर्ग में सहभागी हुए ।
- **जननेता संपर्क** – आंध्र प्रदेश, तेलंगणा, गुजरात, सौराष्ट्र, छत्तीसगढ़ इन प्रांतों में समाज प्रमुखों से संपर्क की योजना बनी थी । आंध्र प्रदेश में 1000, तेलंगाणा में 3000, गुजरात में 2767, छत्तीसगढ़ में 200 समाज प्रमुखों से संपर्क हुआ । उन्हें समरसता संबंधित साहित्य भेट किया ।

- **साहित्य निर्मिती** – आंध्र प्रदेश में सद्गुरु नारायण गुरु के शिष्य सद्गुरु मलयाला स्वामी, पंजाब में भगवान वाल्मिकी जी, गुजरात में सामाजिक समरसता इन विषयों पर साहित्य निर्मिती हुई । तेलंगणा में 50,000 घरों में समरसता दिनदर्शिका लगाई गयी ।

- **संविधान जागरण** – भारतीय संविधान विषय पर जागृती की दृष्टि से कोकण, पश्चिम महाराष्ट्र, देवगिरी, विदर्भ, दक्षिण बिहार इन प्रांतों में व्याख्यान, अभ्यास वर्ग, दौड जैसे कार्यक्रम हुए ।

- **समाज परिवर्तन हेतु प्रयास** – देशभर में 1048 क्षेत्र निश्चित करके वहां मंदिर प्रवेश, दो पंगत या अन्य जातीगत भेद की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास चल रहा है । अनेक स्थानों पर सफलता भी मिली है ।

- **सफाई कर्मचारी कार्य** – देशभर में 260 स्थानों पर स्वच्छता कर्मीयों के मध्य नियमित अल्पाहार व्यवस्था (दिल्ली), आवश्यक साहित्य वितरण एवं प्रशिक्षण (विदर्भ), जागरण एवं आवश्यक साहित्य वितरण (दक्षिण बिहार), बस्ती कार्य (गुजरात), सन्मान (कोकण, झारखंड, मालवा, उत्तराखंड, उत्तर कर्नाटक, तेलंगणा) जैसे कार्य प्रारंभ हुए है। मालवा प्रांत में 766 परिवारों में 3000 सेवा प्रदाताओं के हाथ से प्रजासत्ताक दिन निमित्त ध्वजवंदन किया गया ।

- **संत संमेलन** – सामाजिक समरसता के विषय को लेकर उत्तराखंड, मालवा, गुजरात, सौराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पंजाब, मेरठ, दक्षिण तमिलनाडु, तेलंगणा इन प्रांतों में संत सम्मेलन आयोजित किए गये ।

- **महिला सम्मेलन** – महिलाओं में कार्य को गती देने की दृष्टि से मालवा, छत्तीसगढ़, कानपुर, अवध, उत्तर कर्नाटक, दक्षिण बिहार प्रांत में महिला सम्मेलन आयोजित किए गये।

- **मंदिर केंद्रित कार्य** – छत्तीसगढ़, पंजाब एवं दिल्ली प्रांत में प्रमुख मंदिरों की कार्य समिती में समाज के सभी वर्गों का सहभाग हो इसका सफल प्रयास हुआ । मंदिरों में भगवान वाल्मिकी एवं संत शिरोमणी रविदास जी की प्रतिमा लगे यह प्रयास भी सफल हुए है । सभी रामलीला आयोजनों के प्रथम दिन भगवान वाल्मिकी जी का पूजन करें इस आवाहन को 300 से अधिक रामलीलाओं ने प्रतिसाद दिया है । मालवा प्रांत में सभी समाज में वाल्मिकी समाज की छडी पूजन प्रथा स्थापित हो चुकी है । इस वर्ष 24,761 परिवारों में यह पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ । महाराष्ट्र में गणेश उत्सव में एवं तेलंगणा में गोदावरी तट पर समरसता आरती का कार्यक्रम भी प्रभावी हुआ है ।

मध्य भारत – चंबल संभाग मे सामाजिक समरसता एक बड़ी चुनौती है । मुरैना जिले ने इस चुनौती के समाधान हेतु वर्ष भर खंड श: नियमित सामाजिक सदभाव बैठक का क्रम बनाया । जातिगत कार्यक्रमों मे सभी जातियों के प्रमुख लोगों के आने जाने का क्रम बना एवं जिले लगभग 683 ग्रामों मे एक मंदिर, एक श्मशान की संकल्पना भी पूरी हुई है । इस कार्य मे स्थानीय संत समाज एवं मठ मंदिरों की भूमिका भी अत्यंत महत्व की रही । सभी संत समाज और मठ मंदिरो के प्रमुखों ने स्वयं के स्थान से ही समरसता के कार्य को प्रारम्भ किया है । 5 जनवरी 2025 को जिले का 'सामाजिक सदभाव सम्मेलन भी सम्पन्न हुआ । 114 जातियों के 1,178 समाज बन्धु एवं 22 संत सहभागी हुए ।

हिमाचल– बिलासपुर जिला के कार्यकर्ताओं ने 'समरसता में साधू संतों की भूमिका' विषय पर 15 सितंबर 2024 को एक गोष्ठी का आयोजन किया । 157 साधू संत उपस्थित रहे ।

काशी – शोधी खण्ड, शाखा खुदौली के स्वयंसेवकों के प्रयास से गाव में समरसता का वातावरण बना । सभी वर्गों में नियमित सम्पर्क एवं सामाजिक सद्भाव का वातावरण बनने के कारण गाव में प्रथम बार अनुसूचित जाति के परिवार में त्रयोदशा कार्यक्रम में सभी परिवार के लोगो ने भोजन किया। 11 दिसंबर को गीता जयन्ती के कार्यक्रम में सभी वर्गों से 500 लोगों की सहभागीता रही । 400 परिवारों से एक एक मुठी चावल मांग कर सह भोज कार्यक्रम किया गया । इसी प्रकार महाराजा सुहेलदेव जयन्ती एवं संत शिरोमणि रविदास जयन्ती का कार्यक्रम बहुत ही उत्साह से मनाया गया ।

पर्यावरण संरक्षण

संगठनात्मक वृत्त

46 प्रान्तों में से 45 प्रान्तों में संयोजक नियुक्त है। 492 प्रान्त टोली के कार्यकर्ता है। 246 विभाग संयोजक एवं 1,101 जिला संयोजक तथा जिला सह संयोजक है। हरित घर 2,58,134 एवं हरित मिलन 2,525 है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम

- हरित महाकुंभ प्रयागराज 2025 – ''**एक थाली – एक थैला अभियान**'' एक शून्य-बजट की पहल थी, जिसे सामाजिक सहभगिता द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। 'हरित कुंभ – स्वच्छ कुंभ' – जन जागरण के लिए मीडिया, सोशल मीडिया द्वारा अभियान चलाया गया। 2,241 संगठन सम्मिलित हुए और 7,258 स्थानों से थाली – थैला संग्रहित किया गया। 'पर्यावरण के अनुकूल कुंभ' अभियान के माध्यम से लाखों परिवारों को जागरूक किया गया। नदियों और झीलों जैसे स्थानीय जल निकायों में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। 14,17,064 स्टील थाली, 13,46,128 थैले, 2,63,678 स्टील के गिलास महाकुंभ में वितरित हुए। परिणामत: डिस्पोजेबल वस्तुओं के उपयोग में 80-85% की कमी आई है। प्रतिदिन 3.5 करोड़ रूपये बचत होने का अनुमान है। इस पहल ने सार्वजनिक आयोजनों के लिए ''बर्तन बैंकों'' की संभावना के द्वार खोल दिये हैं।

- **हरित भवन निर्माण व वास्तु कला विद् (आर्किटेक्ट) संवाद** – दि. 7, 8 नवंबर 2024 को भवन योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में हरित (HARIT (Holistic Action for Rejuvenating Indigenous Traditions) की अवधारणा पर ''सतत जीवन शैली एवं जलवायु अनुकूल निर्माण अभिकल्पना एवं योजना'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। HARIT की अवधारणा से सबको परिचित करवाया गया। भारतीय परंपरा के अनुसार पर्यावरण अनुकूल वास्तुकला एवं निर्माण शैली को प्रोत्साहित करने का आवाहन किया गया ताकि समग्र विकास एवं पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित किया जा सके।

- **NSPC** 2024 – पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के शिक्षण संस्थान कार्यविभाग द्वारा पिछले चार वर्षों से राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। 1 जुलाई से प्रारंभ कर 25 अगस्त तक चले इस प्रतियोगिता में 681 जिलों के 45,022 शिक्षण संस्थानों के 7,09,173 विद्यार्थियों ने सहभाग किया एवं 107 देशों से भी परीक्षार्थियों ने सहभागिता की।

- **स्वयंसेवी संस्था – हरित संवाद कार्यक्रम** – दिल्ली स्थित ''खाटू श्याम धाम'' में 17 जनवरी 2025 को भारत के प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) को सादर आमंत्रित किया था। 44 संगठनों ने अपने कार्यों और प्रयासों को प्रस्तुत किया।

- **PSG Global** – पर्यावरण गतिविधि का विश्वपटल पर पहला कदम (PSG Global) हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पर्यावरण गतिविधि के कार्यकर्ताओं द्वारा शुरू की गई। 'HARIT' पहल अब विश्वविद्यालय की स्वीकृति के साथ एक आधिकारिक रूप से पंजीकृत, छात्र-नेतृत्व वाला संगठन बन गई है। अजरबैजान के बाकू में आयोजित COP – 29 के माध्यम से सात देशों के 11 लोगों का एक छोटा समूह एक स्थान पर चर्चा के लिए एकत्र हुआ। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 'HARIT' भाव की स्वदेशी तकनीकों पर चर्चा करने और उनकी योजना बनाने के लिए बैठक की।

- **ENO हरित संवाद** – 2nd National ENO's Conference on Indian Knowledge System for Environmental Sustainability, Climate Action, and Eco-Human Health का आयोजन 20-21 सितंबर 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में किया गया। पंजाब विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR), चंडीगढ़ के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ । शैक्षिक पाठ्यक्रमों में पर्यावरणीय शिक्षा के महत्व, चंडीगढ़ के पर्यावरणीय चुनौतियों और समाधान पर चर्चा की गई । 80 विश्वविद्यालय/कॉलेज से 250 प्रतिभागी थे ।

- **कुलपति हरित संवाद** – पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, भगवान महावीर विश्वविद्यालय और जैन चार्तुमास 2024 के संयुक्त प्रयास से सूरत (गुजरात) में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा दि. 17 अक्टूबर-2024 को 'कुलपति हरित संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ । विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और केंद्रीय संस्थानों- IITs एवं NITs के निदेशक निमंत्रित थे । 56 कुलपतियों एवं केंद्रीय संस्थानों के निदेशकों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम में पूज्य आचार्य महाश्रमण जी महाराज एवं पूज्य सरसंघचालक श्री मोहन भागवत जी का पावन सानिध्य मिला ।

- **BIMSTEC SEWOCON** 2025 **में सहभागिता**– विश्व युवक केंद्र, दिल्ली में आयोजित BIMSTEC SEWOCON 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की 9 सदस्यीय टीम ने भाग लिया । इस महत्वपूर्ण मंच पर विभिन्न पर्यावरणीय अभियानों और उनके प्रभावों को साझा किया गया ।

- **नुतन प्रयोग** – छत्तीसगढ़ की केन्द्रीय कारागार बिलासपुर ने 30/10/2024 से ''हरित जेल'' अभियान शुरू किया है। जेल को पॉलीथिन मुक्त बनाने हेतु 4,000 हजार इकोबिक्स, अपशिष्ट से बायोगैस और वर्मी कम्पोस्ट बनाने, वृक्षारोपण करने और बिजली-पानी बचाने जैसे कदम उत्तम उठाए जा रहे हैं । बंदियों को ईको-ब्रिक्स के साथ-साथ बायोएंजाइम बनाने का भी प्रशिक्षण दिया गया है । सौर ऊर्जा का उपयोग, वर्षा जल संरक्षण और जल बचत जैसे उपायों के प्रयोग भी हो रहे है । प्रतिदिन 1 लाख 15 हजार लीटर से अधिक की पानी की बचत हो रही है । सात ही 32 जलस्त्रोतों का निर्माण करके जल का भूमिगत संचय किया जा रहा है । ईको-ब्रिक्स से जेल का नाम लिखा गया है ।

प्रान्तों के कार्यक्रम : **केरल** – सी. आर. पी. एफ. कमांडो श्री विष्णु, जिनकी माओवादी हमले में हत्या कर दी गई थी । वे नेदुमंगद संघ जिला, तिरुवनंतपुरम विभाग, दक्षिण केरल प्रांत के स्वयंसेवक भी थे । उनकी स्मृति में उस जिले अनेक स्थानों पर एक वर्ष तक प्रतिदिन एक पेड़ स्कूलों, कॉलेजों, विभिन्न मंदिरों, सरकारी कार्यालयों और संस्थानों आदि में लगाया जा रहा है । **आंध्र प्रदेश** – विशाखा महानगर के पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा एक उपक्रम चलाया गया जिसके अंतर्गत कुल 55 उपक्रम किये गए । 10,000 लोगों का सहभाग रहा, 2000 पौधे लगाए गए, 3,000 सीड बॉल वितरित हुए, 4,500 कपडे के बैग वितरित किये गए एवं पर्यावरण परिक्षा में 1161 सहभागी हुए । 8 फरवरी 2025 को हरित सांगत का कार्यक्रम संपन्न हुआ । 12 एन. जी. ओ. का सहभाग रहा । **देवगिरी** – मोहगाँव ग्राम, जिला धुळे के ग्रामविकास समिति द्वारा गाँव के सभी 950 लोगों ने सफलता पूर्वक अपना ग्राम पॉलिथीन मुक्त बनाया है । **गुजरात** – गाडियारा प्राथमिक शाला, कपडवंज के प्रधानाचार्य ने 100 इको ब्रिक्स बनाने का संकल्प लिया और ब्रिक्स बनाते-बनाते अन्य शिक्षकों से संपर्क अभियान चलाया । परिणामत: जिले में 200 विद्यालयों के 52,000 विद्यार्थियों ने 3 लाख इको ब्रिक्स बनाए । **मेरठ** – नोएडा महानगर ने प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए थाली-थैला संग्रह अभियान चलाया । इस संग्रह अभियान में सभी संप्रदाय/धर्मों के लोगों का सहयोग प्राप्त हुआ । पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनमानस की संवेदनशीलता दिखाई दी । 22,000 परिवार से संपर्क हुआ । 53,000 से अधिक थाली-थैला संग्रहित हुए । **उत्तर असम** – ग्राम निगमघोला, मझगाँव जिला- बोंगाईगाँव में गत 2-3 वर्षो से पॉलिथीन मुक्त एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम चल रहा है। बोंगाईगाँव साइंस कॉलेज के ग्रामीणों ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया ।

प्रान्तों के विशेष कार्यक्रम

केरल दक्षिण – जून 2024 में प्रांत में 256 तरुण विद्यार्थी शाखाएँ थी । 2025 तक इसका विस्तार हो इसलिए योजना बनी । विद्यार्थी शाखाओं के कार्यवाह, मुख्य शिक्षक एवं साप्ताहिक मिलनों के प्रमुख सहित मंडल के उपरी विद्यार्थी प्रमुखों के लिए 19 जनवरी 2025 को एक बैठक आयोजित की गयी । इस निमित्त गुणविकास की दृष्टि से भी कुछ निकष तय किये गए । 'डॉ. हेडगेवार पुस्तक पर आधारित प्रश्नावली, प्रार्थना शुद्ध लेखन, शाखा क्षेत्र में संपर्क, शारीरिक विषयों का अभ्यास इसका आग्रह रखा गया । नवंबर में जिलों में बैठक और वर्ग आयोजित किए गए । विभाग के संगठन श्रेणी के कार्यकर्ताओं ने तरुण विद्यार्थी शाखाओं पर प्रवास किया सभी अपेक्षितों को दिसंबर मास में प्रत्यक्ष मिलकर प्रवेशिका दी गयी । बैठक में पू. सरसंघचालक जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ । बैठक में 353 तरुण विद्यार्थी शाखा, 276 तरुण विद्यार्थी मिलन, 39 नए स्थानों के साप्ताहिक ऐसे 667 स्थान का प्रतिनिधित्व हुआ । 287 कार्यवाह, 593 मुख्य शिक्षक और 158 विद्यार्थी प्रमुख सहित कुल 1038 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया । 108 जिला-विभाग कार्यकर्ता भी शामिल हुए। संपर्क विभाग द्वारा संपर्कित 164 अतिथी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए । तरुण विद्यार्थी शाखाएँ 256 से बढ़कर 402 हो गई । 422 साप्ताहिक मिलन भी शुरू हुए ।

2. हिन्दू एकता सम्मेलन – सामाजिक समरसता हेतू हिन्दू मत परिषद द्वारा आयोजित हिन्दू एकता सम्मेलन 2 - 5 फरवरी 2025 को संपन्न हुआ । इस वर्ष पूजनीय सरसंघचालक जी को परिषद ने आमंत्रित किया था। पत्तनमतिट्टा और आलप्पुष जिलों की 68 पंचायतों के 20,000 से अधिक लोग उस्थित थे । मंच पर 44 विभिन्न हिंदू संगठनों के 49 नेताओं और 21 संन्यासीश्रेष्ठ उपस्थित थे । सम्मेलन निमित्त प्रांतीय स्तर के पदाधिकारियों द्वारा सामाजिक क्षेत्र के 576 प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क किया गया । संन्यासी श्रेष्ठ के नेतृत्व में 69 सेवा ग्रामों में हिंदू एकता का संदेश पहुंचाया गया । समारोह में पवित्र पंपा नदी के तट पर 117 केंद्रों पर पंपा आरती का आयोजन किया गया । 38 पंचायतों में 11,000 पौधे लगाये गये और 31 पंचायतों में मातृ समिति का गठन भी किया गया । 58 पंचायतों में हिंदू नेतृत्व की बैठकें आयोजित की गई जहां विभिन्न सामुदायिक संगठनों के नेता एकत्र हुए ।

कर्नाटक दक्षिण – पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर की 300 वी जयन्ती निमित्त 15 नवंबर 2024 को शिवमोग्गा में एक कार्यक्रम संपन्न हुआ । कार्यक्रम के पूर्व शहर के मुख्य रास्तों से शोभायात्रा संपन्न हुई । 700 लोगों ने सहभागिता की । कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में बच्चों द्वारा अहिल्या देवी के जीवन पट को नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गयी । अक्तूबर एवं नवंबर में जिले में 25 से अधिक कथा कथन के कार्यक्रम संपन्न हुए ।

कर्नाटक उत्तर – मा. सरकार्यवाह जी का प्रवास कारवार जिला के कुमटा नगर मे दिनांक 8 से 11 नवंबर तक रहा । केंद्र से निश्चय किए गये कार्यक्रम के साथ ही जिला के व्यवसायी स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण भी संपन्न हुआ । सूची बनाकर गट व्यवस्था से स्वयंसेवकों को संपर्क किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रहने के लिए पांच दिन शाखा मे उपस्थित रहना अनिवार्य था । सभी नियमों का पालन करते हुए 1200 स्वयंसेवक उपस्थित थे । कार्यक्रम में मोबाइल ले जाना वर्जित था । मोबाइल बाहार रखने की (पार्किंग) की व्यवस्था थी ।

तेलंगाना – हर वर्ष विजयदशमी के समय जिलाओं में प्राथमिक शिक्षा वर्ग रहते है तो इस उत्सव पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे । इस बार विशेष प्रयास कर प्रांत मे एक वातावरण निर्माण करने का निर्णय हुआ । उसके लिए पूरे प्रांत में प्रयास चला और फलस्वरूप 741 स्थानों पर 814 विजयादशमी उत्सव हुए तरुण-57,314 बाल-8,891 उपस्थित रहे । 164 पथ संचलन हुए । पथसंचलन मे उपस्थित स्वयंसेवक - 28,748 (घोष वादक सहित) । गणवेश धारी संख्या - 33,906 ।

पश्चिम महाराष्ट्र – भारतरत्न प. पू. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी ने दि. 2 जनवरी 1940 को सातारा जिले के कराड गांव स्थित भवानी संघस्थान को भेंट दी थीं । उस समय के प्रमुख अखबार दैनिक केसरी ने इस ऐतिहासिक घटना का वार्तांकन दि. 9 जनवरी 1940 के उनके अखबार मे किया था जिसमें उल्लेख है कि ''कुछ बातों पर मतभेद हो सकते है । लेकिन मै इस संघ की तरफ अपनत्व के भावना से देखता हूं'' यह विचार पू. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी ने संघ के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए इस संघस्थान पर व्यक्त किए थे। विवेक विचार मंच और स्थानिक न्यास 'लोककल्याण मंडळ ट्रस्ट' के सभी महानुभाव एवं अधिकारीयों ने इस विषय में एक अच्छा परिसंवाद हो यह उद्देश्य लेकर 'बंधुता परिषद' में डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर जी के विचारों का अध्ययन करके समाज में कुछ बदलाव लाने हेतु कार्यरत विभिन्न संस्था एवं संघटनाओं के प्रतिनिधि, विचारवंत, शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि, इन सभी को आमंत्रित किया । राष्ट्रवादी और हिंदुत्वनिष्ठ विचारधारा एवं आज के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के विचारों पर मार्गक्रमण करने वाली संगठनों के विचारों का संगम की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाया गया । बौध्द युवक संघटना, महाराष्ट्र के अध्यक्ष ॲड विजय गव्हाळे, दलित महासंघ के अध्यक्ष प्रा. मच्छिंद्र सकटे और चैत्यभुमि ट्रस्ट, देहु रोड़ के ॲड क्षितिज गायकवाड जी ने बंधुता परिषद में अपने विचार रखें । कार्यक्रम की शुरुआत भारत का संविधान एवं भारत माता पूजन के साथ हुई । बुद्ध वंदना का पठण किया गया ।

देवगिरी – अनुसूचित जाती, जमाती और घुमंतू समाज के बस्ती में जाकर रक्षा बंधन एवं खंड, नगर और महानगर के समाज प्रमुखों को घर पर जाकर रक्षाबंधन का उपक्रम किया गया । सामाजिक सौहार्द बरकरार रखने में यह कार्यक्रम परिणामकारी साबित हुआ है । इससे आपस में सहजता का अनुभव हो रहा हैं । मा. प्रांत संघचालक जी से लेकर जिला, खंड तथा नगर के संघचालक जी सहभागी रहे एवं प्रांत सद्भाव कार्य के सभी कार्यकर्ता भी सहभागी रहे । 334 कार्यकर्ताओं ने 28 ज्ञाती प्रकार के 1993 अभिभावकों को राखी बांधी ।

मालवा – 'स्वरशतकम्' घोष शिविर, इन्दौर – 31 दिसंबर 2024 से 3 जनवरी 2025 तक चलने वाले शिविर में 28 जिलों के सामान्य घोष पथकों में 768, विशेष प्रदर्शन करने वाले प्रगत पथक में 100 वादक ऐसे कुल 868 वादक सहभागी थे । शिविर के समापन प्रकट कार्यक्रम में 65 मिनिट तक अविरत 40 रचनाओं का घोषवादन हुआ । प्रख्यात कबीर भजन गायक पद्मश्री कालूराम बामनिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे । नगर के 12 हजार से अधिक समाज जन व स्वयंसेवकों के परिवारजन उपस्थित थे । प. पू. सरसंघचालक जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ ।

जयपुर – सांगानेर ग्रामीण जिले में मुख्य मार्ग के कार्य को गति देने के लिए जिले में सत्संग प्रेमियों के माध्यम से वाटिका खण्ड के मुख्य मार्ग के सभी गाँवों को लक्ष्य बनाकर 'हरिजस' (सत्संगी संगम) कार्यक्रम 1 फरवरी 2025 को आयोजित हुआ । 22 गांवो में से 21 गावों से 152 सत्संगी शामिल हुए । ग्रामवासियों ने एक वृक्ष को सजाकर पंचप्रण के ध्येय वाक्य लिखे एवं सत्संगियों ने भजन के माध्यम से पंचप्रण के विषयों की चर्चा आमजन मे प्रचारित करना तय किया । सभी 22 गाँवों में 8-10 व्यक्तियों की समितियों का निर्माण हो गया हैं ।

जम्मू कश्मीर – जम्मू कश्मीर प्रांत के साथ पाकिस्तान व चीन की अंतर्राष्ट्रीय सीमा जुड़ी होने के कारण सुरक्षात्मक दृष्टि से विविध प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है । सीमा क्षेत्र का विस्तृत अध्ययन कर सब प्रकार की चुनौतियों के समाधान की ओर बढ़ने की योजना व सीमा क्षेत्र में कार्य के सघन विस्तार का विचार हुआ । विभाग कार्यकर्ताओं के साथ इस अध्ययन (सामाजिक, धार्मिक, सुरक्षात्मक व आर्थिक) की रुपरेखा बनाई गई । सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने संघ कार्य के साथ-साथ विविध संगठनों का काम भी इस शताब्दी वर्ष में बढ़े, यह भी उद्देश्य रखा गया । जिला अनुसार समन्वय बैठक की गई । खंड अनुसार बैठक कर मंडल व गाँवों की सूची बनी । 94 मंडलों के 689 गाँव चिन्हित हुए । सितंबर व अक्टूबर मास में 33 प्रश्नों का एक सर्वेक्षण पत्रक लेकर कार्यकर्ता गाँवों में गए । नवंबर मास में प्रांत में मा. सरकार्यवाह जी के साथ सीमावर्ती क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक कर इस अध्ययन की जानकारी जिला अनुसार रिपोर्ट पर आधारित पूरे प्रांत की स्थिति एक पि.पि.टी. द्वारा प्रस्तुत की गई । शताब्दी वर्ष में विस्तार के नाते विजयादशमी तक 100 शाखा, 100 मिलन व 100 मंडली करने का लक्ष्य तय हुआ है । एवं ध्यान में आयी चुनौतियों के समाधान के लिए भी प्रयास प्रारम्भ होंगे ।

उत्तर बिहार – दरभंगा जिला द्वारा 'एक्स (ट्विटर) के 'स्पेस पर राष्ट्रीय विचारों पर चर्चा का प्रसारण किया गया । वैश्विक या राष्ट्रीय स्तर पर विमर्शों के निर्माण में 'एक्स (ट्विटर) के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए 'स्पेस नाम से उपलब्ध खुली चर्चा की सुविधा को राष्ट्रीय विचारों के प्रसारण हेतु उपयोग करने की योजना बनी । प्रख्यात विचारक स्वर्गीय रंगा हरि जी की सुविख्यात पुस्तक 'भारत के राष्ट्रत्व का अनंत प्रवाह' को चुना गया । पुस्तक के प्रत्येक अध्याय साप्ताहिक रूप से दो दिन चर्चा के लिए उपयोग में लाया गया है । साथ ही इस बीच आने वाले प्रमुख व्यक्तियों के जयंती अवसरों अथवा महत्वपूर्ण समसामयिक अवसरों को भी चर्चा के केंद्र में रखा गया है । पुस्तक के अध्याय में समाविष्ट विषयों पर एक प्रमुख अधिकारी अपनी टीका प्रस्तुत करते है । तत्पश्चात उपस्थित श्रोताओं के जिज्ञासा का समाधान अधिकारी करते हैं । 24 जून से 22 अगस्त 2024 तक इस स्पेस चर्चा के अठारह संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हुए । 8657 लोगों की सहभागिता रही । 260 से अधिक जिज्ञासाएँ भी आयी जिसका समाधान उपलब्ध अधिकारियों के द्वारा किया गया ।

मध्य बंग – प्रांत केंद्र बर्धमान में 16 फरवरी 2025 को स्वयंसेवक एकत्रीकरण नियोजित था । हर मंडल एवं बस्ती से 10 स्वयंसेवक गणवेश में उपस्थित रहे ऐसी योजना बनी मंडल बस्ती तक प्रांत, विभाग, जिला कार्यकर्ता की योजना बनी एवं कार्यक्रम में अपेक्षित प्रात्यक्षिक का भी अभ्यास हुआ । नए स्थान में शाखा, मिलन, मंडली शुरू करने के भी प्रयास हुए । जनवरी 2025 में सभी खंड/नगर श: गणवेश में एकत्रीकरण सम्पन्न हुए । 16 फरवरी को 9314 स्वयंसेवक एवं 21349 नागरिक उपस्थित थे । सभी 164 खंड एवं 59 नगर का प्रतिनिधित्व रहा । 1441 में से 1052 मंडल एवं 765 में से 633 बस्ती का प्रतिनिधित्व रहा ।

उत्तर बंग – अधिकतम स्थान में पहुंचने की योजना से 26 जनवरी 2025 को भारत माता पूजन कार्यक्रम किया गया । संघ योजना से 2351 स्थानों पर 28211 पुरुष एवं 18501 मातृशक्ति, कुल 46,712 नागरिक उपस्थित रहे । विविध क्षेत्र के कार्यकर्ताओं द्वारा 3917 स्थानों पर 53135 पुरुष एवं 69099 मातृशक्ति, कुल 1,22,234 नागरिक उपस्थित थे ।

अरुणाचल – प्रांत का युवा शिविर 8, 9 और 10 नवंबर 2024 को दोन्यी पोलो विद्या निकेतन स्कूल, न्गोरलुंग (पूर्वी सियांग) में संपन्न हुआ । विविध शारीरिक, बौद्धिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। 22 स्थानों से 18 से 30 आयु के 261 युवाओं ने भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान, अखिल भारतीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल जी लिमये ने युवाओं को राष्ट्रीय एकता, पंच परिवर्तन, और सामाजिक जिम्मेदारियों के विषय पर मार्गदर्शन किया ।

तेलंगाना – इंदूर नगर के श्री नीलकंठेश्वर उद्योगी शाखा ने शाखा के भौगोलिक परिसर मे स्थित एक घुमन्तु समाज और वनवासी निवास करने वाली बस्ती को चयनित किया। व्यापक सर्वेक्षण किया गया और उनकी जरूरतों, समस्याओं को पहचाना गया। मुख्य रूप से ईसाईकरण तेजी से हो रहा था। बस्ती का विकास हो इसलिए अनेक समाजोपयोगी कार्य आरम्भ हुए। सीवेज सिस्टम को ठीक किया गया। मानसून के दौरान वैकल्पिक आवास, भोजन की व्यवस्था की गई। घरों में बिजली की आपूर्ति के लिए प्रयास किये गए। सम्मक्का सरलम्मा (यहाँ की स्थानीय वन देवता) के मंदिर, जो उनके आदर्श हैं, का निर्माण किया गया। इस प्रयास से उनमें हिंदू धर्म की प्रति निष्ठा बढ़ी है और घर-घर हनुमान चालीसा कार्यक्रम का आयोजन उस बस्ती में किया गया।

बस्ती में महाराजा रामुलु के साथ घर-घर धर्म ज्योति नामक कार्यक्रम में महाराज स्वयं सभी घरों में गए और हर घर में धर्म ज्योति जलाई और उन्हें भगवान की पूजा छवि और केसर से आशीर्वाद दिया। बच्चों को स्कूल भेजना प्रारम्भ हुआ। अब 90 प्रतिशत बच्चे स्कूल जा रहे हैं। शाखा वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में एक परिवार के रूप में बस्ती निवासियों ने भाग लिया।

आंध्र प्रदेश – विशाखा विभाग, अनकापल्ली जिला के गोंडुपालेम व्यवसायी तरुण शाखा ने गाँव का श्मशान सब के लिए खुला होना चाहिए इसलिए सभी जातियों के नेता गण को एकत्रित कर अनेक बार चर्चा कर आम सहमती बनाई। सब ने मिलकर पैसा इकट्टा करके श्मसान में शिव भगवान की एक मूर्ती स्थापित की एवं सरहद दीवार बनाई। गाँव में समरस भाव का जागरण भी हुआ। इसी प्रकार गाँव में सर्वेक्षण करके 157 जरुरत मंद लोगों की मेडिकल जांच करवाई। 78 लोगों की मोतीबिंदु शस्त्रक्रिया करवाई। मजदूर लोगों के बच्चों को स्वयंसेवकों ने पढाना प्रारंभ किया। अब उनमें से कई बच्चे पाठशालाओं में जा रहे हैं।

मालवा – अलीराजपुर जिले के कट्ठिवाड़ा खंड में आमखुट ग्राम की बिरसा मुंडा शाखा के द्वारा मंडार गांव में अतिप्राचीन, पहाड़ के ऊपर पत्थर की गुफा में बना गोतर माता (गोद भराई) मंदिर के पुनर्जागरण का कार्य किया। इस जनजाति ग्राम में कुल 200 परिवार है। शिक्षा व अन्य सुविधाओं के अभाव में स्थानान्तरण होता है। स्वतंत्रता से पूर्व से बने चर्च से ईसाई मिशनरी दवा, शिक्षा, आदि की आड़ में धर्मांतरण कर रहे थे। शाखा द्वारा ग्राम समिति बनाकर धार्मिक आयोजन व मासिक गतिविधि आरम्भ हुई। स्वयंसेवकों ने श्रमदान, स्वच्छता अभियान एवं दीवार लेखन का कार्य किया। अब गांव के सभी लोगों में गोतरा माता रानी के प्रति सद्भावना एवं आस्था, विश्वास जागा है व घर वापसी का मार्ग खुला है।

मध्य भारत – विदिशा विभाग के सभी 29 खंडो की चिन्हित 56 व्यवसायी शाखाओं ने शाखा क्षेत्र का सामाजिक अध्ययन कर चिन्हित समस्या के समाधान हेतु सार्थक प्रयास प्रारम्भ किया है। शाखाओं की जागरण टोली ने समस्या का चयन किया एवं समाज की सज्जन शक्ति एवं विविध संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ समस्या समाधान की योजना बनाई। शाखाओं पर विभाग, ज़िला कार्यकारिणी के कार्यकर्ताओं को पालक इस नाते निश्चित किया गया। शाखाओं द्वारा नशा मुक्ति, सरकारी विद्यालय में बच्चों की कम उपस्थिति, गो-संरक्षण, नर्मदा जी का संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्य, फलदार वृक्षों की कमी, लव जिहाद, धार्मिक जागृति का अभाव, संस्कार शिक्षण कमी, अस्वच्छता, मोबाइल गेमिंग, हिंदू परिवार पलायन इस तरह से 103 प्रकार की समस्याएं चिन्हित की गयी। समाज के सहयोग से सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे है। मा. सरकार्यवाह जी के साथ अध्ययन करने वाली शाखा टोली के कार्यकर्ताओं का अनुभव कथन एवं संवाद हुआ। सभी 56 शाखाओं के 652 कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

महाकोशल – छतरपुर विभाग में ग्राम स्तर पर सामाजिक समरसता सर्वेक्षण सम्पन्न हुआ । सभी 270 मण्डल के 2106 ग्राम में 9 बिन्दु के सर्वेक्षण पत्रक के आधार पर कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर सर्वेक्षण कार्य किया । सर्वेक्षण में पाया गया कि 1936 ग्रामों में सभी जाती समाज के बंधुओं को मंदिर में प्रवेश है, 1913 ग्रामों में सभी वर्गों का एक ही श्मशान स्थल पर अंतिम संस्कार होता है एवं 1954 ग्रामों में धर्मशालाओं के उपयोग की अनुमति सभी जाती के बंधुओ के लिए है । ऐसी और भी सकारात्मक बाते ध्यान में आयी । 10% ग्राम में कार्य करने की आवश्यकता है यह भी ध्यान में आया । 1440 ग्राम में 11 सदस्यों की ग्राम समिति बनाई गई है । निश्चित समय पर इनकी बैठक होती है । लगातार 3 वर्षों के इन बिन्दुओं पर कार्य हो रहा है । इसलिए समरसता का प्रतिशत बढ़ा है । सभी 2106 ग्राम मे समिति बनाने का लक्ष्य लिया गया ।

चित्तौड़ – आसींद जिला, गुलाबपुरा नगर श्री राम तरुण व्यवसायी शाखा के जागरण टोली ने वर्ष भर में अनेक उपक्रम किये । इसमें समाजजनों की सहभागिता रही । ✻ नागरिक कर्तव्य :- विधानसभा और लोकसभा चुनाव के समय 100% मतदान हो इसलिए छोटी बैठकों का आयोजन किया गया 80% से ज्यादा मतदान हुआ । ✻ सामाजिक समरसता :- श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व प्रभात फेरी शुरू की गई । एक वर्ष पूर्ण होने पर विशाल प्रभात फेरी का आयोजन किया गया और तत्पश्चात सामाजिक समरसता भोज का आयोजन था । सभी परिवारों के दो हजार से अधिक लोगों ने साथ में भोजन किया । शरद पूर्णिमा सहित दो बार परिवार मिलन का आयोजन किया जिसमे 100 से अधिक परिवारों का सहभाग रहा । ✻ 'स्व भाव का जागरण:- बेरवा समाज के बाहुल्य क्षेत्र में हनुमान मंदिर निर्माण में सहयोग किया तथा बस्ती का नाम तिरुपति नगर करने के लिए कार्य में सहयोग किया । माली मोहल्ले में शिव मंदिर निर्माण में भी कार्यकर्ताओं द्वारा सहयोग़ किया गया । ✻ पर्यावरण :- वर्षा काल में पानी निकालने में प्रशासन का सहयोग किया । मार्ग पर पानी भर जाने के दौरान पेव्हर और ईटों के द्वारा कृत्रिम रास्ता बनाया गया । संघ स्थान पर 45 पौधे लगाए गए । ✻ सेवा उपक्रम :- इस वर्ष भीषण गर्मी को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन सुबह यात्रियों को रेल के डिब्बे में ही पेय जल उपलब्ध कराया गया । ✻ गो-सेवा :- नगर केंद्र पर गो-माता के उपचार के लिए श्री माधव गो-उपचार केंद्र संचालित है । सहायता हेतु अभियान चलाया जाता है । ✻ सामाजिक सुरक्षा :- प्रहार महायज्ञ निमित्त घर-घर सशुल्क 320 दंड वितरीत किए गए । ✻ अन्य उपक्रम :- श्री राम बस्ती का संचलन निकाला गया । संख्या 145 रही ।

जयपुर – चूरू जिला के कांधराण व्यवसायी शाखा की जागरण टोली द्वारा गाँव वासियों के सहयोग से अनेक समाज उपयोगी कार्य किये गए है । सड़क के पक्के निर्माण को भी स्वयं तोड़कर मुख्य मार्ग को 40 फीट चौड़ा किया गया । ग्राम की मुख्य दीवारों पर अमृतवचन, रामायण एवं भागवत की चौपाई और श्लोक व भगवान के चित्र स्वयंसेवकों द्वारा बनाये गए । शिव सरोवर की पूर्ण साफ-सफाई करके पेड़ लगाए गए। ग्राम की होली अब एक साथ सामूहिक मनाई जाती है । 5000 फलदार पौधे लगाये गए । पुराना जर्जर विद्यालय भवन के स्थान पर 9 कक्ष का नया भवन निर्माण हुआ । सड़क में दब चुके मंदिर को लगभग एक करोड़ की लागत से पुनर्निर्मित किया गया ।

हरियाणा – पानीपत जिले के आजाद उपनगर की एक शाखा ने अपने क्षेत्र की कूड़ा बीनने वालों की सेवा बस्ती (जोगी बस्ती) में संपर्क, उन घरों में जलपान, वहां के विद्यार्थियों को पढाना, संस्कार केंद्र खोलना, यहाँ आने वाले विद्यार्थियों का आधार कार्ड बनवाना, उनको सरकारी स्कूल में दाखिल करवाना, वहां श्रमिक मिलन शुरू करना प्रारम्भ किया । उस क्षेत्र के सामाजिक अध्ययन से ध्यान आया कि कूड़ा बिनने वाले जब किसी कूड़े के ढेर पर कूड़ा बिनने के लिए जाते थे तो वहां पर कुछ लोग उनसे कूड़ा बिनने की एवज में 100 रुपया लेते थे । अपने कार्यकर्ताओं द्वारा बात करने पर लोगों ने उनसे पैसा लेना बंद कर दिया है । अब उस बस्ती का नाम नालंदा नगर रख दिया है ।

मेरठ – देववृन्द जिला के रामपुर नगर की व्यवसायी शाखा के द्वारा घुमंतु जाति (गाड़िया लुहारों) की बस्ती में सर्वेक्षण

किया। अनेक समस्याएं ध्यान में आयी। समाधान हेतु प्रयास प्रारम्भ हुए। 15 बालक बालिकाओं को विद्यालय में प्रवेश कराया। उन्हें कापी, किताब, गर्म कपड़े जूते मोजे, कम्बल वितरित किए गए। 8 व्यक्तियों का आधार कार्ड बनवाया। महाराणा प्रताप बाल संस्कार केन्द्र प्रारंभ किया है।

ब्रज – वृन्दावन जिला में बरसाना ग्राम के श्रीजी शाखा की जागरण टोली द्वारा शाखा क्षेत्र का अध्ययन किया गया। एक समस्या थी कि परिक्रमा मार्ग संकरा था। पहाड़ के रास्ते में श्रद्धालुओं को परिक्रमा में कठिनाई होती थी। 40 स्वयंसेवकों ने समाज की सज्जनशक्ति के 150 बंधुओं को साथ लेकर 12 दिन तक श्रम दान किया। परिक्रमा मार्ग को 4 फीट चौडा करवा कर यात्रा को सुगम बनाया।

काशी – काशी मध्यभाग के लाजपतनगर की विवेकानंद शाखा क्षेत्र में नशें की लत के कारण घरेलू हिंसा की शिकार कुछ महिलाओं द्वारा शाखा में सहायता के लिए संपर्क किया गया। सर्वेक्षण करने पर लगभग 20 परिवार नशे एवं घरेलु हिंसा में लिप्त पाए गए। स्वयंसेवकों द्वारा नशामुक्ति अभियान चलाया गया। काउंसलिंग कर नशा न करने हेतु समझाया गया। परिणामस्वरूप 5 परिवारों में नशा एवं घरेलू हिंसा दोनों से मुक्ती मिली। शाखा क्षेत्र में 10 वर्ष पूर्व तक एक भी पेड़ नहीं था। स्वयंसेवकों द्वारा समाज का सहयोग लेकर वृक्षारोपण तथा उनकी देखभाल की योजना बनी। पूरा क्षेत्र हरा भरा हो गया है एवं चिडियों की चहचहाहट भी सुनाई देने लगी है।

दक्षिण बिहार – पटना के राजेंद्रनगर तरुण व्यवसायी शाखा द्वारा सामाजिक अध्ययन करने पर ध्यान में आया कि सेवा बस्ती में अलग अलग एन.जि.ओ. कार्यरत है। जिनके द्वारा हिन्दू विरोधी वातावरण बनाने का कार्य होता था और धर्मांतरण भी हो रहा था। शाखा के स्वयंसेवकों ने बाल संस्कार केंद्र प्रारम्भ किया। हनुमान चालीसा, सरस्वती वन्दना इत्यादी का पठन होने लगा और धीरे धीरे बस्ती का वातावरण बदलने लगा। बस्ती में हर 15 दिन पर स्वास्थ्य शिविर लगाने से अनेक लोगों को बीमारियों से राहत मिली। सिलाई केंद्र के कारण महिलाओं को रोजगार प्राप्त हुआ। पर्व त्यौहार एकत्रित मनाने से समरसता का भाव भी जगा है।

मध्य बंग – विष्णुपुर खंड के बाकादह मंडल के कामारपारा गांव के आश्रम पारा व्यवसायिक शाखा के द्वारा एक संपूर्ण वनवासी गांव का सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संभव हुआ है। सर्वेक्षण में महिला पुरुषों में व्यसनाधीनता, कम उम्र में ही शादी कर देना, बच्चों को स्कूल न भेजना जैसी बातें ध्यान में आयी। शाखा ने एक शिशु संस्कार केंद्र प्रारंभ किया। बच्चों को विद्यालय में भेजने के लिए प्रयास किये गए। महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण भी दिया गया। पुरुषों को भी साल पत्ता बनाने का मशीन दिया गया। अभी गाँव में पाठ दान केंद्र चलाए जा रहे है। 150 विद्यार्थी 6 गांव से रोज आते हैं। आस-पास के 18 गाँव में सेवा भारती एवं ग्राम विकास के द्वारा शिशु संस्कार केंद्र चलाए जा रहा है। अब बाल विवाह बंद हुए हैं।

पृष्ठ क्रमांक 29 के फोटो में लिखित

> – ता. दोन जानेवरी रोजी डा. बाबासाहेब अंबेडकर हे कऱ्हाड़ येथे गेले असतांना तेथील म्युनसिपालिटी तर्फे मानपत्र देण्याचा समारंभ झाला. यानंतर त्यांनी तेथील रा. स्व. संघाच्या शाखेस भेट दिली. या प्रसंगी भाषण करतांना डा. अंबेडकर म्हणाले ‘‘काही बाबतीत मतभेद असले तरी मी या संघाकडे आपलेपणाने पाहतो’’।

दिनांक 9 जनवरी 1940 के मराठी वृत्तपत्र ‘केसरी’ में आया समाचार

अखिल भारतीय बैठकें

- **प्रांत प्रचारक बैठक –** दिनांक 12, 13, 14 जुलाई 2024 को झारखंड प्रांत के सरला विरला विश्वविद्यालय, रांची में सम्पन्न हुई । बैठक में संघ शिक्षा वर्ग, कार्यकर्ता विकास वर्गों की समीक्षा, कार्य विस्तार, संगठनात्मक कार्यों के अलावा प्रचारक पद्धति, प्रशिक्षण, आगामी प्रवास योजना इत्यादी की चर्चा हुई ।

- **समन्वय बैठक –** अखिल भारतीय समन्वय बैठक दिनांक 31 अगस्त, 1 – 2 सितंबर 2024 को अहलिया कैंपस, पाल्लकाड (केरल उत्तर प्रांत) में आयोजित की गयी थी । विविध संगठनों में कार्यरत कार्यकर्ता बंधु इसमें आमंत्रित थे। देश के वर्तमान परिस्थिति पर हुई चर्चा में सभी का सहभाग रहा । पंच परिवर्तन, विमर्श, व्यवस्था परिवर्तन इन विषयों में अनुभव के आधार पर समीक्षा हुई । उपस्थिति 268 रही ।

- **कार्यकारी मंडल बैठक एवं अभ्यास वर्ग** – अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक दिनांक 25 – 26 अक्टूबर 2024 को ब्रज प्रांत के ग्राम परखम, जिला मथुरा में संपन्न हुई । इसके पूर्व दिनांक 23 – 24 अक्तूबर को कार्यकारी मंडल के सदस्यों का अभ्यास वर्ग भी संपन्न हुआ । प्रांत ठोली की भूमिका, विविध संगठन समन्वय, कार्य विस्तार, कार्यकर्ता के गुणात्मक वृद्धि के प्रयास आदि संगठनात्मक विषयों पर विचार विमर्श हुआ ।

- **विजयादशमी उत्सव, नागपुर** – सन 2024 का विजयादशमी उत्सव आश्विन शुद्ध दशमी को नागपुर के रेशिमबाग मैदान में संपन्न हुआ । इस अवसर पर पू. सरसंघचालक जी ने सभी को संबोधित किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्था के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन जी मुख्य अतिथि इस नाते उपस्थित थे ।

- **अ.भा. विविध क्षेत्र प्रचारक वर्ग** – विविध क्षेत्र में कार्यरत प्रचारकों का अ.भा. वर्ग 31 अक्तूबर से 4 नवंबर 2024 तक ग्वालियर में संन्नन हुआ । 519 उपस्थिति रही ।

वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य

बीते वर्ष के अपने कार्यों के सिंहावलोकन के पश्चात् - वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य की एक संक्षिप्त समीक्षा करेंगे। विगत वर्ष में अपने राष्ट्रीय जीवन में उत्साहवर्धक एवं दुःखद या अप्रिय घटनाओं का सम्मिश्रण रहा है।

समूचे राष्ट्र के लिए विशेषत: हिन्दू समाज के लिए गौरव बढ़ानेवाला आत्मविश्वास जगानेवाला प्रयागराज का महाकुंभ अविस्मरणीय रहा । इस विशेष महाकुंभ ने भारत की आध्यात्मिकता एवं सांस्कृतिक विरासत के अद्भुत दर्शन के साथ साथ अपने समाज के आंतरिक सत्त्व का भी अहसास कराया। कुंभ मेला के पावन कालावधि में करोड़ों श्रद्धालुओं ने संगम में पवित्र स्नान कर 'न भूतो..' इस प्रकार के एक इतिहास का निर्माण किया। राष्ट्र के प्रत्येक पंथ संप्रदाय के साधु-महात्मा एवं भक्तजन इस आध्यात्मिक महा मेले में श्रद्धा भक्ति से भाग लिए। इस विशाल कुंभ की समीचीन एवं सुचारु व्यवस्था का निर्माण तथा संचालन करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सरकार एवं भारत के केन्द्र सरकार समूचे राष्ट्र के अभिनंदन के पात्र हैं। समाज के असंख्य व्यक्ति और संस्थाओं ने भी अपने संसाधन एवं परिश्रम लगा कर व्यवस्था में अपार सहयोग देने के लिए सामने आये जो अभिनंदनीय है।

मौनी अमावस्या के प्रमुख स्नान के दिन हुए दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ में श्रद्धालुओं की मृत्यु की दुर्घटना इस कुंभ का एक अत्यंत दुःखद पृष्ट रहा। अन्यथा शेष सारा कुंभ व्यवस्था, अनुशासन, स्वच्छता, सेवा और सहयोग की दृष्टि से सार्वजनिक जीवन और विशेष पर्वों के आयोजन के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ है, एक कीर्तिमान बन गया है।

कुंभ के अवसर में संघ-प्रेरित अनेक संस्था-संगठनों ने भी वहाँ सेवा, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, वैचारिक जैसे विविध प्रकार के आयोजन किए थे। उन में से अपने कार्यकर्ताओं के द्वारा किये गये दो विशेष प्रयासों का उल्लेख करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है।

1) नेत्र कुंभ- सक्षम संगठन ने पिछली बार जैसे इस बार भी कुंभ में आनेवाले लोगों की नि:शुल्क नेत्र परीक्षा, चश्मा वितरण और, आवश्यकता पड़ने पर शल्य क्रिया की व्यवस्था की थी इस कार्य में अनेक सेवा भावी स्वास्थ्य संस्थाओं व अन्य सामाजिक संस्थाओं ने पूर्ण सहयोग दिया। सर्व सुसज्जित विशाल पंडाल में आयोजित इस प्रकल्प की कुछ संख्यात्मक जानकारी :

नेत्र जाँच के कुल लाभार्थी -2,37,964. निशुल्क चश्मा वितरण- 1,63,652. मोतियाबिंद ऑपरेशन-17,069.

कुल 53 दिन चले इस सेवा कार्य के लिए 300 से अधिक नेत्र चिकित्सक और 2800 कार्यकर्ताओं ने कार्य किया।

2) एक थाली-एक थैला अभियान- पर्यावरण गतिविधि की योजना और समाज के अनेक संगठन संस्थाओं के सहभागिता से आयोजित एक थाली-एक थैला अभियान अत्यंत सफल रहा कुंभ में थर्मोकोल थाली या पॉलीथिन थैले का उपयोग नहीं करने के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से चले इस अभियान के द्वारा देश भर में स्टील थालियाँ और कपड़े की थैलियों का व्यापक संग्रह किया गया। इसमें कुल 2241 संस्था-संगठनों ने 7258 केंद्रों से कुल 14,17,064 थालियाँ तथा 13,46,128 थैले का संग्रह किया । जिनको कुंभ में विविध पंडालों में वितरित किया गया। यह अभियान अपने आप में एक अनोखा प्रयोग था इस कारण पर्यावरण जागृति लाने में और स्वच्छ कुंभ की कल्पना को जन जन तक पहुँचाने में उत्साहवर्धक सफलता मिली।

इस वर्ष हुई लोकसभा तथा चार राज्यों की विधान सभा चुनाव के पूर्व स्वयंसेवकों ने लोकमत परिष्कार के व्यापक प्रयास करते हुए राष्ट्र हित के मुद्दों को समाज में चर्चा में लाये और अधिकाधिक प्रमाण में मतदान होने के लिए प्रयत्न किया यह उपक्रम स्वस्थ लोकतंत्र की सुदृढ़ता को दर्शाते हुए जनता को अपने राष्ट्रीय कर्तव्य को निभाने में उपयुक्त सिद्ध हुआ।

आदर्श प्रशासन, धार्मिक श्रद्धा, प्रजा के प्रति मातृवत् वात्सल्य, निष्कलंक चारित्र्य जैसे गुणों की प्रतिमूर्ति स्वनामधन्य लोकमाता अहिल्या देवी होलकर के जन्म की त्रिशताब्दी पर संघ की ओर से वक्तव्य दिया गया था उसके प्रकाश में देश के अनेक स्थानों पर प्रभावी कार्यक्रम संपन्न हुए। कई सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं ने विविध प्रकार के आयोजन द्वारा लोकमाता के प्रेरक व्यक्तित्व को समाज के सम्मुख लाने का सफल प्रयास किएअपने इतिहास के एक प्रखर व्यक्तित्व के स्मरण से समाज में प्रेरणा एवं कर्तव्य की जागृति हुई।

ऐसे विविध प्रेरणादायी और उत्साहजनक गतिविधियों के कारण समाज में राष्ट्र भाव, सामाजिक संवेदना, विकास के विभिन्न प्रयास के सकारात्मक परिवेश उत्तरोत्तर निर्माण हो रहा है किंतु साथ ही साथ कुछ गंभीर समस्या एवं चुनौतियों को भी अपने समाज को सामना करना पड़ रहा है ।

अपने पड़ोसी बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के राजनैतिक आंदोलन के दौरान मज़हबी कट्टरपंथियों द्वारा वहाँ के हिन्दू समाज एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हुए बर्बरतापूर्ण आक्रमण घोर निंदनीय है मानवता, लोकतंत्र जैसे सभ्य समाज के किसी भी मापदंड से वहाँ की घटनाएँ शर्मनाक रही हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और अन्य कई संगठनों के संयुक्त प्रयास से देश भर में अनेक स्थानों पर बांग्लादेश की स्थिति के कारणीभूत उन्माद शक्तियों का खंडन करने के कार्यक्रम हुए । भारत की सरकार ने भी हिंदुओं की रक्षा के लिए बांग्लादेश सरकार से आग्रह किया और इस दिशा में वैश्विक अभिमत बनाने का प्रयास किया ।

वहाँ की स्थिति अभी भी गंभीर है । हिन्दुओं के जानमाल की रक्षा संकट में हैं, किंतु उल्लेखनीय विषय है कि इस विकट और भीषण परिस्थिति में भी बांग्लादेश का हिन्दू समाज आत्म स्थैर्य से स्वयं के बलबूते पर आक्रमणकारी शक्तियों के सामने डट कर खड़ा हैं और अपनी रक्षा करने के लिए संघर्षरत हैं, जो अत्यंत सराहनीय है ।

भारत का समाज वहाँ के अपने हिन्दुओं की सुरक्षा एवं सुखी जीवन की ना केवल कामना करता है बल्कि उसके लिए हर संभव समर्थन व सहयोग देने का प्रयास करेगा । हमारा मत है कि जागतिक समुदाय को भी बांग्लादेश के हिंदू व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के मानवाधिकार की रक्षा हेतु सामने आना चाहिए ।

अपने देश की पूर्व सीमावर्ती राज्य मणिपुर में विगत 20 म हीनों से परिस्थिति अशांत रही है । वहाँ के दो समुदायों के बीच व्यापक प्रमाण में हुई हिंसा के वारदातों के कारण परस्पर अविश्वास व वैमनस्य उत्पन्न हो गया है । जनता को प्रतिदिन की ज़िंदगी के कई मामलों में अनेक प्रकार के कष्ट भुगतने पड़े है। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने राजनैतिक और प्रशासनिक स्तर पर लिये कुछ कार्रवाही निर्णयों के कारण परिस्थिति के सुधार की दिशा में कुछ आशा जगी है किंतु सौहार्दपूर्ण सहज विश्वास का माहौल आने में समय लगेगा ।

इस पूरी अवधी में संघ व संघ प्रेरित सामाजिक संगठनों ने एक ओर हिंसक घटनाओं से प्रभावित लोगों की राहत के लिए कार्य किया; वहीं दूसरी ओर विविध समुदायों से निरंतर संपर्क रखा और धैर्य बनाये रखने का संदेश देते हुए परिस्थिति को नियंत्रित करने का प्रयत्न किया । अभी भी यह सारे प्रयास चल रहे है । संघ का साग्रह अनुरोध है कि मणिपुर के सभी समुदाय मनस्ताप और अविश्वास छोड़कर परस्पर भाईचारे से सामाजिक एकात्मता के लिए मन बनाकर प्रयास करें । राज्य की जनता के सुयोग्य विकास के लिए यह अत्यंत आवश्यक है ।

राष्ट्रीय एकता-एकात्मता के सामने चुनौती बनी हुई कई शक्तियाँ समय समय पर अपना सिर उठाकर विघटन कार्य को अंजाम देती हैं । जाति, भाषा, प्रान्त, पंथ के नाम पर विभेदक षड्यंत्र रचने का इतिहास अपने देश के लिए नया नहीं है । वर्तमान में भी ऐसी मानसिकता कुछ जनजाति क्षेत्र में या दक्षिण भारत की अलग पहचान जैसे विमर्श खड़ा करने में उभर रही है । यद्यपि इससे देश - विशेषकर उन क्षेत्रों के लोग - अधिक प्रभावित नहीं होंगे, तब भी इस साज़िश के बारे में सावधान रह कर जनता को जागरूक रखने का प्रयत्न करना भी समय की आवश्यकता है ।

संघ के शताब्दी वर्ष का वातावरण संगठन के साथ साथ समाज में भी बनता हुआ दिखता है । संघ कार्य के प्रति समाज के प्रबुद्ध वर्ग तथा सामान्य जनता में विश्वसनीयता बढ़ रही है यह सर्वत्र अनुभव में आया है । संघ की सामाजिक दृष्टि एवं विचार और स्वयंसेवकों द्वारा हो रहे अनेक उपक्रमों को समाज की ओर से समर्थन व सहयोग प्राप्त हो रहे हैं । परिस्थिति की अनुकूलता में परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए कार्य विस्तार को लक्ष्य की ओर पहुँचाने का प्रयत्न अपने को करना है । अपनी कार्य पद्धति पर अडिग रह कर उसकी गुणवत्ता विकास करने में अधिक प्रयास अपेक्षित है ।

शताब्दी वर्ष के निमित्त इस प्रतिनिधि सभा में तय होने वाले विविध कार्यक्रमों को पूर्ण सफलता हासिल करने के लिए हर स्तर की योजना बनानी होगी । इस स्वर्णिम अवसर को हम सब प्रकार से संगठन की शक्ति एवं प्रभाव बढ़ाने के लिए तथा समाज के संगठन भाव एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उपयोग करेंगे ।

समाज के जागरण व संगठन के कार्य में मग्न संघ जैसी शक्तियों को समय समय पर परिस्थिति के अनुरूप शेष समाज को जागृत एवं योग्य दिशा में सक्रिय करना आवश्यक होता है । इस में हम अपनी सार्थक भूमिका निभाने के लिए संगठन की तैयारी पूर्ण रूप से करें । इसके लिए हम आवश्यक व्यापक समाज संपर्क करे, सज्जन शक्ति की सहभागिता पर ज़ोर दे और अपनी अविचल राष्ट्र निष्ठा एवं निर्मल चारित्र्य का परिचय देते हुए आगे बढ़ें ।

समाज है आराध्य हमारा सेवा है आराधना
भारत माता के वैभव की सेवाव्रत से साधना

मंत्र छोटा रीत नई
आसान हमने पाई है
छोटे छोटे संस्कारों से
बात बडी बन जाती है ।।

विद्यार्थी शाखा, जम्मू

शाखा में हम ऐसे खेले
जिससे प्रेम उमडता हो
कुछ बौद्धिक हो गीत गान हो
धर्म ज्ञान की चर्चा हो
भगवा ध्वज हो नित्य सामने
त्याग भावना पलती है ।।

विद्यार्थी शाखा
ग्राम-कपुराशी, जिला-कच्छ

मोहिते विद्यार्थी शाखा, नागपुर

विद्यार्थी शाखा
रोइंग, अरुणाचल प्रदेश

विद्यार्थी शाखा
ग्राम-कावुथिट्टै, जिला-कन्याकुमारी

100 वर्ष पूर्व पू. डॉ. हेडगेवार जी ने यह संस्कार साधना प्रारंभ की थी ।
आज देश के कोने-कोने में यह साधना अखंड चल रही है ।

21 मार्च, 2025 के पूर्व प्रकाशित ना करें ।

Not to be published before 21 March, 2025

गभीरम् अवतर उन्नतिम् अवाप्स्यसि

गहराई में जाओ, ऊँचाई प्राप्त करो

प्रकाशक

समीर क्षीरसागर

प्रधान कार्यालय सचिव

डॉ. हेडगेवार भवन, महाल, नागपुर - 440 032

दूरभाष : 0712 - 2723003

E-mail : sachivalay@sanghngp.org

www.rss.org

प्रतिवेदन 2024-25

Prativedan 2024-25